मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 20 सितंबर 2025

संवत 2082, आश्विन कृष्णपक्ष 13 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 15 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 टिटहरी : प्रकृति की मौन चेतावनी

निया शर्मा ने किए इंडस्ट्री में 15 साल पूरे 6

कुड़मी समाज का एसटी में शामिल करने की मांग को लेकर प्रदर्शन

बैरिकेडिंग तोड़ पटरी पर बैठे, 40 स्टेशनों पर ट्रेनें रोकीं

- रेल टेका डोहोर छेका आंदोलन का झारखंड में दिखा असर
- पैसेंजर्स-एग्जाम देने वाले छात्र रहे परेशान

संवाददाता

रांची: कुड़मी समाज को एसटी का दर्जा देने की मांग को लेकर रेल टेका डोहोर छेका आंदोलन का असर झारखंड में दिख रहा है। रेल रोको सड़क घेरो आंदोलन को लेकर पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड़ में है और जगह-जगह पर पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है। हालांकि आरपीएफ के तमाम प्रयासों के बावजूद आंदोलनकारी हजारीबाग और सरायकेला में रेलवे ट्रैक पर पहुंच गए।

सरायकेला जिले में रेल रोको आंदोलन का व्यापक असर देखा गया। सीनी रेलवे स्टेशन पर हजारों पुरुष और महिलाएं रेल पटरियों पर बैठ गए, जिससे ट्रेन परिचालन पूरी तरह ठप हो गया। रेलवे की दोनों रूटों पर ट्रेनें प्रभावित रहीं। दर्जनों ट्रेनें अलग-अलग स्टेशनों पर खड़ी कर दी गईं, कई ट्रेनें घंटों की देरी से चलीं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्टेशन परिसर में बच्चे, बुजुर्ग और अन्य यात्री बुरी तरह फंसे रहे। कुड़मी समाज के नेताओं ने कहा कि झारखंड राज्य के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, लेकिन आज तक उन्हें उनके अधिकार नहीं मिले। नेताओं प्रकाश महतो, सुनील महतो और आशुतोष महतो ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम का हिस्सा है और केंद्र सरकार कुड़मी जाति को एसटी का दर्जा देने तक यह आंदोलन अनिश्चितकालीन जारी रहेगा।

महिला प्रदर्शनकारियों ने भी आंदोलन की अगुवाई की। पार्वती देवी, अनीता देवी और मल्टी देवी ने कहा कि झारखंड पर पहला हक कुड़मी महतो समाज का है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जल, जंगल और जमीन पर उनका अधिकार है और असली आदिवासी कुड़मी महतो ही हैं। रेल रोको आंदोलन के मद्देनजर जिला प्रशासन ने इलाके में सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की है। सीनी स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस और आरएएफ के जवान तैनात किए गए हैं। अधिकारी लगातार मौके पर कैंप कर रहे हैं ताकि आंदोलनकारियों और यात्रियों के बीच किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति न बने। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, आंदोलन के कारण कई प्रमुख ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। कुछ ट्रेनों का मार्ग बदल दिया गया, जबकि कई को बीच रास्ते में ही रोकना पड़ा। लंबी दूरी की गाड़ियों में फंसे यात्रियों को भोजन और पानी की भी परेशानी झेलनी पड़ी।

गुमला के बाल सुधार गृह से दो किशोर फरार

चादरों की मदद से 30 फीट ऊंची दीवार फांदी

संवाददाता

गुमला: जिले में स्थित एक बाल सुधार गृह (रिमांड होम) से 2 किशोर फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि आरोपी चादरों की मदद से लगभग 30 फीट ऊंची दीवार फांद कर फरार हो गए। गुमला के पुलिस अधीक्षक (एसपी) हैरिस बिन जमान ने बताया कि दोनों किशोरों को इस सप्ताह की शुरूआत में एक मामूली अपराध के आरोप में गिरफ्तार कर सुधार गृह लाया गया था। वे मध्यरात्रि के आसपास दीवार फांदकर फरार हो गए। एसपी ने

कहा, हमने सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं और फरार किशोरों की पहचान कर ली गई है। उन्हें जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। दोनों को आदिवासी नगाड़ों की चोरी के आरोप में पकड़ा गया था और उनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा में चूक की विस्तृत जांच कराई जाएगी ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों। गुमला के जेल अधीक्षक अविनाश कुमार से इस संबंध में लगातार संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। बाल सुधार गृह में तैनात एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दीवार की ऊंचाई लगभग 30 फीट है और उसकी चोटी पर कांटेदार तार लगाया गया है। अधिकारी ने कहा, इन दोनों किशोरों ने फरार होने की पूरी योजना पहले से बनाई थी। उन्होंने चादरें बांधकर उन्हें कांटेदार तार पर लटकाया और उसी के सहारे दीवार फांदकर भाग गए। यहां ड्यूटी पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती बारी-बारी के आधार पर होती है और किसी भी समय कुल पांच कर्मी वहां तैनात रहते हैं।

रांची के चान्हो से दिल दहला देने वाली घटना

चान्हो : थाना क्षेत्र के पाटुक बाजोटोली में डीजे की तेज आवाज से महज दो माह की मासूम बच्ची सोनाक्षी कुमारी की मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि डीजे की तेज ध्वनि से बच्ची की हालत बिगड़ गई, जिसके चलते उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने डीजे पर सख्त रोक और ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण की मांग की है। इस हादसे ने प्रशासन पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर शोर-शराबे पर रोक लगाने के बावजूद डीजे का इस्तेमाल क्यों हो रहा है।

उधमपुर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, एक जवान शहीद

एजेंसी

उधमपुर : जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में सेना और पुलिस की संयुक्त टीम की आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ हुई। ऊंचाई वाले दूरदराज के डूडू-बसंतगढ़ वन क्षेत्र में शुक्रवार को शुरू किए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकियों ने फायरिंग की। इसमें एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसकी रविवार तड़के अस्पताल में मौत हो गई।

संयुक्त अभियान के दौरान फायरिंग

: अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार देर शाम उधमपुर के डूडू-बसंतगढ़ क्षेत्र और डोडा के भद्रवाह स्थित सेओज धार वन सीमा पर सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान आतंकवादियों की ओर से की गई

फायरिंग में जवान घायल हुआ। घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। आतंकियों की तलाश तेजः घटना के बाद इलाके की कड़ी घेराबंदी कर तलाशी अभियान को फिर से शुरू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि वन क्षेत्र में दो से तीन आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। उनकी तलाश के लिए ड्रोन और खोजी कुत्तों के साथ अतिरिक्त बल उधमपुर और डोडा दोनों ओर से भेजे गए हैं। अंतिम रिपोर्ट आने तक व्यापक तलाशी अभियान जारी रहा।

तालाब में डूबकर 3 बच्चियों की मौत, सीएम नीतीश ने जताया शोक

✔ 4-4 लाख अनुग्रह राशि देने का निर्देश

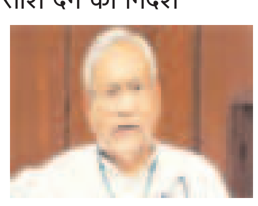

पटनाः बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दरभंगा जिले के जाले प्रखण्ड के मुरेठा गांव में तालाब में डूबने से तीन बच्चियों की हुई मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है।
मुख्यमंत्री कुमार ने इस हादसे को अत्यंत दुखद बताया और मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने दुख की इस घड़ी में मृतकों के शोक संतप्त परिजनों को धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने इस हादसे में मृत तीन बच्चियों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए अविलंब अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है।

पंजाब- हरियाणा हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

शादी न होने पर सहमति से शारीरिक संबंध बनाना अब दुष्कर्म नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली: पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा हैकि अगर दो बालिग अपनी सहमति से शारीरिक संबंध बनाते हैं और बाद में किसी वजह से उनकी शादी नहीं हो पाती, तो इसे रेप नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने एक ऐसे ही मामले में युवक के खिलाफ दर्ज रेप का केस खारिज कर दिया है।

क्या था मामला?

एक महिला ने अपने मंगेतर पर शादी का झूठा वादा करके शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया था। दोनों की सगाई हो चुकी थी और नवंबर 2024 में

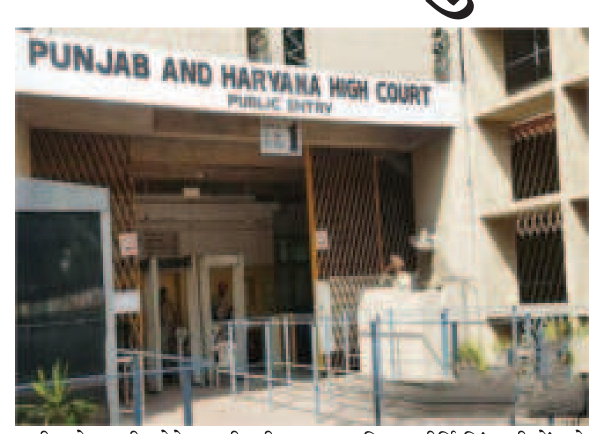

शादी को शादी होने वाली थी। शादी से पहले दोनों परिवारों के बीच कुछ मतभेद हो गए और शादी टूट गई। इसके बाद महिला ने युवक पर रेप का केस दर्ज करा दिया।

कोर्ट ने क्या कहा?

जस्टिस कीर्ति सिंह की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की और पाया कि दोनों ही पढ़े-लिखे और समझदार बालिग थे। उनके बीच संबंध आपसी सहमति से बने थे। कोर्ट ने कहा कि शादी टूटने की वजह दोनों परिवारों के बीच का आपसी झगड़ा था। अदालत ने यह भी साफ किया कि किसी महिला की सहमति अगर शादी के झूठे वादे पर ली गई थी, तो यह साबित करना जरूरी है कि आरोपी की नियत शुरू से ही शादी करने की नहीं थी और उसने सिर्फ अपनी शारीरिक इच्छा पूरी करने के लिए झूठा वादा किया था। इस मामले में ऐसा कोई सबूत नहीं मिला।

कानून का दुरुपयोग सही नहीं:

कोर्ट ने कहा कि यह मामला दिखाता है कि जब एक सहमति से बना रिश्ता शादी में नहीं बदल पाता, तो उसे आपराधिक रूप दे दिया जाता है। कोर्ट ने इसे कानून का दुरुपयोग बताया और कहा कि अदालतें इसे बर्दाश्त नहीं करेंगी। इसी आधार पर युवक के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया गया है।

'चिप हो या शिप... हमें भारत में ही बनाने होंगे', पीएम मोदी बोले-

दूसरे देशों पर निर्भरता हमारा सबसे बड़ा दुश्मन

- विश्वबंधु की भावना से आगे बढ़ रहा भारत, दुनिया में हमारा कोई दुश्मन नहीं

एजेंसी

भावनगरः पीएम मोदी ने कहा, ये कार्यक्रम तो भावनगर में हो रहा है, लेकिन ये कार्यक्रम पूरे हिंदुस्तान का है। पूरे भारत में समुद्र से समृद्धि से जाने की ओर हमारी दिशा क्या है, उसके लिए आज इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का केंद्र भावनगर को चुना गया है। गुजरात और भावनगर के लोगों को बहुत बहुत बधाई। 17 सितंबर को आप सबने अपने नरेन्द्र भाई को जो शुभकामनाएं भेजी हैं, देश और दुनिया से जो मुझे शुभकामनाएं मिली हैं... व्यक्तिगत तौर पर सबका धन्यवाद करना संभव नहीं है, लेकिन भारत के कोने-कोने से, विश्वभर से ये जो प्यार मिला है, आशीर्वाद मिले हैं। ये मेरी बहुत बड़ी संपत्ति है, ये मेरी बहुत बड़ी ताकत है। इसलिए मैं आज सार्वजनिक रूप से देश और दुनिया के सभी महानुभावों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। पीएम ने कहा, पूरे देश भर में लाखों लोग सेवा पखवाड़ा मना रहे हैं। मुझे बताया गया है कि गुजरात में भी, पिछले दो-तीन दिनों में ही सेवा पखवाड़ा के दौरान बहुत

जगह कार्यक्रम हुए, सैकड़ों जगहों पर रक्तदान शिविर लगे और इनमें अब तक एक लाख लोग ब्लड डोनेशन कर चुके हैं। इसके साथ ही बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनमें लाखों लोगों ने भाग लिया। आज मैं ऐसे समय में भावनगर आया हूं, जब नवरात्रि का पर्व शुरू होने वाला है। इस बार जीएसटी में कमी की वजह से बाजारों में रौनक भी ज्यादा रहने वाली है। और ये उत्सव के इसी माहौल में आज हम समुद्र से समृद्धि का महा-उत्सव मना रहे हैं। '100 दुखों की एक ही दवा है और वह है आत्मनिर्भर भारत': पीएम मोदी ने आगे कहा, भारत आज विश्वबंधु की भावना से आगे बढ़ रहा है। दुनिया में हमारा कोई बड़ा दुश्मन नहीं है। सच्चे अर्थ में अगर हमारा कोई दुश्मन है तो वो है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता...। यही हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है और हमें मिलकर भारत के इस दुश्मन को हराना ही होगा। जितनी ज्यादा विदेशी निर्भरता... उतनी ज्यादा देश की विफलता। विश्व में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए... दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश को आत्मनिर्भर बनना ही होगा। 140 करोड़ देशवासियों के भविष्य को हम दूसरों पर या उनकी निर्भरता पर नहीं छोड़ सकते। भावी पीढ़ी के भविष्य को दांव पर नहीं लगाया जा सकता है। 100 दुखों की एक ही दवा है और वह है आत्मनिर्भर भारत, इसलिए हमें चुनौतियों से टकराना होगा और भारत को आत्मनिर्भर बनकर दुनिया के सामने खड़ा होना होगा।

'कांग्रेस सरकार की नीतियों ने नौजवानों का बहुत नुकसान किया'

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत में सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है, लेकिन आजादी के बाद कांग्रेस ने भारत के हर सामर्थ्य को नजरअंदाज किया, इसलिए आजादी के 6-7 दशकों बाद भी भारत वो सफलता हासिल नहीं कर पाया, जिसके हम हकदार थे। इसके दो बड़े कारण रहे- लंबे समय तक कांग्रेस सरकार ने देश को लाइसेंस कोटा राज में उलझाए रखा। दुनिया के बाजार से अलग-थलग रखा। कांग्रेस सरकार की नीतियों ने देश के नौजवानों का बहुत नुकसान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 2047 तक हमें विकसित होना है तो भारत को आत्मनिर्भर होना ही होगा... इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। 140 करोड़ देशवासियों का एक ही संकल्प होना चाहिए- चिप हो या शिप... हमें भारत में ही बनाने होंगे। इसी सोच के साथ आज भारत समुद्री क्षेत्र भी नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म करने जा रहा है। देश के समुद्री क्षेत्र को मजबूती देने के लिए एक बहुत ऐतिहासिक निर्णय हुआ है... अब सरकार ने बड़े जहाजों को इंफ्रास्ट्रक्चर के रूप में मान्यता दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब देश को अपने जहाज निर्माण (शिपबिल्डिंग) को मजबूत करना चाहिए था, तब कांग्रेस सरकारों ने विदेशी जहाज किराए पर लेना ज्यादा बेहतर समझा। पीएम मोदी ने कहा कि इसके कारण भारत का अपना शिपबिल्डिंग इकोसिस्टम लगभग खत्म हो गया और विदेशी जहाजों पर निर्भरता मजबूरी बन गई। उन्होंने कहा कि करीब 50 साल पहले भारत का लगभग 40 प्रतिशत व्यापार अपने ही जहाजों के जरिए होता था, लेकिन अब यह घटकर सिर्फ 5 प्रतिशत रह गया है। पीएम मोदी ने कहा कि इसका मतलब यह है कि आज भारत को अपने 95 प्रतिशत व्यापार के लिए विदेशी जहाजों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे देश को भारी आर्थिक नुकसान होता है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने इसे आत्मनिर्भर भारत के रास्ते में बड़ी रुकावट बताया और देश को फिर से समुद्री शक्ति बनाने की दिशा में कदम उठाने पर जोर दिया।

दुमका में दोहरे हत्याकांड से फैली सनसनी, नानी-नातिन की बेरहमी से हत्या

संवाददाता

दुमका: जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के आमचूंआ गांव में एक 20 वर्षीय आदिवासी युवती सोना मुर्मू और उसकी 70 वर्षीय नानी सोना बास्की की हत्या कर दी गई। इस दोहरे हत्याकांड से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। एसडीपीओ विजय कुमार महतो के नेतृत्व में पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई। नानी के घर में रहती थी मृतकाः दरअसल, मृतका सोना मुर्मू की शादी 02 वर्ष पहले हुई थी और वह अपने माता-पिता और पति राजू सोरेन के साथ अपने नानी के घर शिकारीपाड़ा के आमचूंआ गांव में रहती थी। मृतका के माता-पिता दुमका के काठीकुंड थाना क्षेत्र के जलवाडुबा गांव में अपनी बेटी के ससुराल गए थे। जबकि सोना मुर्मू का पति राजू सोरेन किसी काम से बाहर गया था। रात करीब नौ-दस बजे जब वह वापस आया तो देखा कि उसकी पत्नी और पत्नी की नानी की हत्या कर दी गई है। शव देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि दोनों को लाठी और किसी भारी औजार से वार कर हत्या की गई है। वहीं, मृतका के साथ 06 माह की बच्ची भी सो रही थी, जो सुरक्षित है। घटनास्थल से खून से लथपथ एक लाठी बरामद की गई है। राजू सोरेन खेती-बाड़ी कर अपनी आजीविका चलाता है। मामले की जांच में जुटी पुलिसः घटना की जानकारी मिलने पर दुमका एसडीपीओ विजय कुमार महतो, थाना प्रभारी अमित लकड़ा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे हैं। मामले में छानबीन की जा रही है। हालांकि अभी तक हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। फोरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची है।

न्यूज IN ब्रीफ

बिरसा कॉलेज में रंगोली, पोस्टर, वाद-विवाद व चित्रकारी प्रतियोगिता

खूंटी: बिरसा कॉलेज, खूंटी में इंटरनेशनल माइक्रोआरगेनिज्म दिवस के अवसर पर बिरसा कॉलेज तथा माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटीज ऑफ इंडिया के तत्वावधान में चार दिवसीय, रंगोली, पोस्टर, वाद-विवाद, तथा चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें कॉलेज के विज्ञान विभाग के सभी छात्र छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया इस आयोजन के मुख्य अतिथि कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डा. सी के भगत की उपस्थिति में प्रतिभागियों को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह में वनस्पति विभाग की विभागाध्यक्ष सह समन्वयक डा. अस्मृता महतो ने प्रकाश डाला और बताया कि अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्मजीव दिवस 2025- अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्मजीव दिवस प्रतिवर्ष 17 सितंबर को मनाया जाता है। 2025 में, यह आयोजन भी 17 सितंबर से प्रारम्भ होकर आज समापन हो रहा है जिसमें #माइक्रो आर्ट्स पर प्रतियोगिता और दुनिया भर के व्यक्तियों और संगठनों द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम जैसी गतिविधियां शामिल होंगी। समारोह में डा. पुष्पा सुरीन , पूनम एम टियू, राज कुमार गुप्ता , तारीफ लुगुँन व अन्य उपस्थित थे ।

भाजपा युवा मोर्चा ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

खूंटी : भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा (भाजयुमो), खूंटी इकाई द्वारा 'सेवा पखवाड़ा' के अंतर्गत प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सदर अस्पताल के प्रांगण में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजयुमो जिलाध्यक्ष रोहित कुमार साहू ने की। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं झारखंड के पूर्व मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा तथा तोरपा के पूर्व विधायक कोचे मुंडा उपस्थित रहे।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता, महामंत्री संजय साहू, सुनील साहू, प्रियंक भगत, मंडल अध्यक्ष मदन मोहन गोप, सत्यम मिश्रा, पंकज कुमार, प्रकाश मांझी, सौरव कुमार साहू, अभिषेक कुमार, विराज कश्यप, पवन सोनी, आदर्श और अंशुल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं भाजयुमो के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

18 मरीजों का हुआ नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन

खूंटी : प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के अवसर पर चल रहे 'नेत्र सेवा पखवाड़ा' (17 से 27 सितम्बर) के तहत शुक्रवार को एसजीवीएस अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र, खूंटी में 18 मोतियाबिंद रोगियों का निःशुल्क शल्य चिकित्सा (ऑपरेशन) सफलतापूर्वक किया गया। इस विशेष अवसर पर संस्था के चेयरमैन कडिया मुंडा ने प्रधानमंत्री मोदी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का नेतृत्व देशवासियों को सेवा के लिए प्रेरित कर रहा है। इसी क्रम में, सभी रोगियों को स्वास्थ्य लाभ के साथ-साथ साड़ी एवं धोती का वितरण भी किया गया। इस सेवा कार्यक्रम में पूर्व सांसद प्रतिनिधि मनोज साहू, ज्योतिष भगत, संजय चौरेसिया, जय भला, मुसाफिर विश्वकर्मा सहित जिले के कई गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर इस पहल को सराहा।

संयुक्त सचिव ने आदि सेवा केन्द्र का किया उद्घाटन

खूंटीः भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री बृज नन्दन प्रसाद ने खूँटी जिले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने 'आदि कर्मयोगी अभियान' के तहत दो नए 'आदि सेवा केन्द्र' का उद्घाटन किया।

जिले में उनके आगमन पर उपायुक्त आर. रॉनिटा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके बाद संयुक्त सचिव ने उपायुक्त के साथ आदि कर्मयोगी अभियान के सफल क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की। तत्पश्चात, श्री प्रसाद ने आइटीडीए के परियोजना निदेशक आलोक शिकारी कच्छप, जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद राम तथा अन्य अधिकारियों के साथ खूँटी प्रखंड के तिरला गाँव और मुरहू प्रखंड के बांदे गाँव में 'आदि सेवा केन्द्र' का उद्घाटन किया। इसके बाद सभी अधिकारियों के साथ हुई बैठक में उन्होंने अभियान के सफल संचालन पर विचार-विमर्श किया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

जनजातीय कार्य मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार, खूँटी जिले के 403 आदिवासी एवं आदिम जनजाति बहुल गाँवों में यह केन्द्र स्थापित किए जा रहे हैं। इन केन्द्रों को ग्राम प्रभारी, आदि सहयोगी, आदि साथियों तथा सीएसओ, एनजीओ और स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों से जोड़ा गया है।

स्थापित किए गए इन सेवा केन्द्रों में एक रोस्टर तैयार कर सरकारी सेवाओं की जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाएगी। ये केन्द्र ग्रामीणों और सरकारी कर्मियों के बीच समन्वय, सेवा वितरण और सामुदायिक इंटरफेस के रूप में कार्य करेंगे। साथ ही, इन केन्द्रों पर एक शिकायत रजिस्टर भी रखा जाएगा, ताकि प्राप्त शिकायतों का संबंधित विभाग के साथ समन्वय स्थापित करके समाधान किया जा सके।

खाद्य सुरक्षा अभियानः विभाग की छापेमारी में एक्सपायरी सामान बरामद

संवाददाता

खूंटी : आने वाले त्योहारों के मद्देनजर जिले में चलाए जा रहे विशेष खाद्य सुरक्षा अभियान के तहत खूंटी के विभिन्न इलाकों में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एक बेकरी से बड़ी मात्रा में एक्सपायर्ड (समाप्ति तिथि बीता हुआ) खाद्य पदार्थ बरामद किया गया।

यह निरीक्षण एफएसओ (फूड सेफ्टी ऑफिसर) अमित कुमार के नेतृत्व में उनकी टीम द्वारा किया गया। इस दौरान मिलावट, एक्सपायरी समान और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया। निरीक्षण के क्रम में छोटकी रोड स्थित श्री बेकरी पर छापेमारी की गई। यहां करीब 256 एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थ मिले, जिनकी समाप्ति तिथि काफी पहले ही निकल चुकी थी। इन उत्पादों को दुकान में सजाकर रखा गया था और संभावना जताई जा रही है कि उन्हें ग्राहकों को बेचा जा रहा था। विभाग ने सभी एक्सपायर्ड सामान को जब्त कर लिया है, जिसे बाद में नष्ट कर दिया जाएगा। दुकानदार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मिठाई की दुकान पर सफाई के निर्देश। इसी दौरान छोटकी रोड पर स्थित लड्डू गोपाल मिठाई शॉप का भी निरीक्षण किया गया। यहां मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता तो ठीक पाई गई, लेकिन सफाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दुकानदार को दिया गया।

अब फॉरेंसिक टीम के साथ होती है तत्काल जांच

एफएसओ अमित कुमार ने बताया कि पहले खाद्य सामग्रियों के नमूने लेकर लैब में भेजे जाते थे, जिसमें लंबा समय लगता था। इस बीच लोग मिलावटी सामान खरीद लेते थे। लेकिन अब विभाग की फॉरेंसिक टीम उनके साथ ही आती है, जो मौके पर ही खाद्य पदार्थों की जांच कर लेती है। मिलावट पाए जाने पर तुरंत उस सामान को जब्त कर नष्ट कर दिया जाता है।

अमित कुमार ने कहा कि आने वाले त्योहारों और पूरे साल इस तरह का निरीक्षण अभियान चलता रहेगा, ताकि दुकानदार थोड़े से मुनाफे के लिए जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ न कर सकें।

उपभोक्ताओं से की गई अपील

उन्होंने उपभोक्ताओं से भी अपील की है कि वे कोई भी खाद्य सामान खरीदते समय उसकी एक्सपायरी डेट (समाप्ति तिथि) अवश्य जांच लें और दुकान की साफ-सफाई का भी ध्यान रखें। त्योहारों के समय मिठाई की अधिक खरीदारी होती है, जिसके चलते कुछ दुकानदार मांग पूरी करने के लिए मिलावटी और निम्नस्तरीय सामान का इस्तेमाल करते हैं। विभाग की इन पर सख्त नजर है और ऐसा पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हत्याकांड का त्वरित खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

खूंटी : तपकरा थाना क्षेत्र के ग्राम डिगरी स्थित रागु बगीचा में बुधवार को हुए एक जघन्य हत्या का पुलिस ने त्वरित खुलासा करते हुए तनों संदिग्ध अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों ने आपसी विवाद को हत्या का कारण बताया है।

मिली जानकारी के अनुसार, अज्ञात अपराधियों ने पास्कल भेगंरा की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी तथा उसकी गर्दन को एक गमछे से पेड़ में बांध दिया था। इस घटना की सूचना मिलने पर तपकरा थाना में कांड संख्या-13/25, दिनांक-17.09.2025 दर्ज कर धारा-302 भारतीय दंड संहिता के तहत मामले की जांच शुरू की गई।

इस कांड की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, खूँटी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ), तोरपा क्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में एक विशेष छापामार दल गठित किया गया। दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले का खुलासा करते हुए तीनों संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों ने अपना नाम क्रमशः संदीप गुडिया (27 वर्ष, पिता- स्वर्गीय सुखराम गुड़िया, ग्राम- गोपला/वर्तमान डिगरी), खुदु तोपनो (19 वर्ष, पिता- डुंडा तोपनो, ग्राम- डिगरी) और दुर्गा कन्डुलना (25 वर्ष, पिता- मुंडला कन्डुलना, ग्राम- डिगरी) बताया। पूछताछ में सभी ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार की तथा बताया कि यह घटना आपसी विवाद के कारण हुई।

आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त पत्थर, खून लगा गमछा व कपड़ा तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

इस कार्रवाई में एसडीपीओ, तोरपा खिस्तोफर केरकेट्टा के अलावा पुलिस निरीक्षक (सीआई) तोरपा अंचल अशोक कुमार सिंह, थाना प्रभारी रनिया विकास कुमार जायसवाल, थाना प्रभारी तपकरा धनंजय कुमार राय तथा अन्य अर्धसैनिक बलों के जवान शामिल रहे।

सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है, जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की और गहन जांच में जुटी है।

दतोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन, 72 युवाओं का चयन

संवाददाता

खूंटी : श्रम, नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के जिला नियोजनालय-सह-मॉडल करियर सेंटर, खूंटी के तत्वावधान में नगर भवन में एक दिवसीय दतोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अरविन्द कुमार ओझा, जिला भूमि सुधार उप समाहर्ता, खूंटी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर आनन्द कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी, खूंटी, योगेश पारिक, सहायक निदेशक, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार, श्री वैद्यनाथ हेम्ब्रम, सहायक निदेशक, कौशल विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं मो. आलताफ, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, खूंटी विशेष रूप से उपस्थित थे।

स्वागत भाषण देते हुए जिला नियोजन पदाधिकारी, आनन्द कुमार ने बताया कि नियोजनालय द्वारा समय-समय पर ऐसे रोजगार मेलों एवं भर्ती शिविरों का आयोजन कर पंजीकृत बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे रोजगार के अवसरों से जुड़ने के लिए जिला नियोजनालय में आकर या सीधे झारखंड राज्य के रोजगार पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराएं।

इस रोजगार मेले में 21 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लेकर विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए स्टॉल लगाए। मेले में लगभग 500 आवेदकों ने भाग लिया और विभिन्न कंपनियों के साथ सीधा संवाद किया। इस दौरान 72 आवेदकों का चयन मौके पर ही अंतिम रूप से कर लिया गया, जबकि 216 आवेदकों को शॉर्टलिस्ट किया गया। चयनित उम्मीदवारों को मौके पर ही नियुक्ति पत्र भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम के समापन पर जिला नियोजन पदाधिकारी, आनन्द कुमार ने सभी अतिथियों, नियोजकों, आवेदकों और अपने कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रशिक्षण अधिकारी विजय कुमार पासवान, मधु सिंह, दीपक कुमार वर्मा, राकेश कुमार सहित नियोजनालय के समस्त कर्मचारी उपस्थित थे।

ईवीएम वेयरहाउस का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

संवाददाता

खूंटी : जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं उपायुक्त आर रॉनिटा ने जिला मुख्यालय स्थित ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी और उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रतिभा कुजूर भी मौजूद रहीं।

श्रीमती रॉनिटा ने वेयरहाउस की समग्र सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की मॉनिटरिंग, अग्निशामक यंत्रों की कार्यशीलता, ईवीएम मशीनों के भंडारण की स्थिति और संबंधित लॉग बुक का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। उन्होंने तैनात सुरक्षाकर्मियों को हमेशा सतर्क और अनुशासित रहने का निर्देश दिया। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में वेयरहाउस में रखी गई ईवीएम मशीनों का भौतिक निरीक्षण भी किया गया। इस दौरान, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा ईवीएम वेयरहाउस के प्रबंधन और रखरखाव के लिए जारी सभी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए स्थापित मानकों की विस्तृत समीक्षा की गई। निरीक्षण के बाद जारी एक बयान में कहा गया कि वेयरहाउस में ईवीएम के संरक्षण और सुरक्षा के लिए सभी मानकों का पूरी तरह से पालन किया जा रहा है। इस प्रक्रिया से चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने का प्रयास किया गया।

दो दिवसीय जिलास्तरीय प्रतिभा चयन प्रतियोगिता संपन्न

संवाददाता

चतराः जिला खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार के तत्वावधान में 18 एवं 19 सितम्बर को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, चतरा में दो दिवसीय प्रतिभा चयन प्रतियोगिता का सफल आयोजन हुआ। इस आयोजन में जिले के विभिन्न प्रखंडों से लगभग 200 खिलाड़ी पहुंचे और एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल, बैडमिंटन एवं कुश्ती जैसे खेलों में अपने प्रदर्शन से चयनकताओं को प्रभावित किया। जिला क्रीड़ा पदाधिकारी ने बताया कि यह चयन प्रतियोगिता जिले के खिलाड़ियों के लिए बड़ा अवसर है। 10 से 14 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों का चयन आवासीय क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र एवं जेएसएसपीएस के लिए किया गया, जबकि 16 से 22 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों का चयन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हेतु किया गया। चयन प्रक्रिया के दौरान खिलाड़ियों की फिटनेस, खेल कौशल और अनुशासन की गहन जांच की गई।चयनित खिलाड़ियों को अब रांची में होने वाली राज्यस्तरीय फाइनल प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिलेगा।

जिला ओलम्पिक संघ ने लगाया आरोपः खेल संघ के प्रशिक्षकों की अनुपस्थिति में खिलाड़ियों का किया गया चयन

जिला स्तरीय प्रतिभा चयन प्रतियोगिता संपन्न होने के साथ ही विवादों के घेरे में आ गया है। जिला ओलम्पिक संघ ने जिला खेल विभाग पर प्रतियोगिता में मनमानी का आरोप लगाया है। संघ की ओर से कहा गया है कि खेल कूद युवा कार्य निदेशालय द्वारा पत्रांक 554 दिनांक 10/09/25 के माध्यम निकाले गए पत्र में उल्लेख है कि जिला स्तरीय प्रतिभा चयन प्रतियोगिता में जिला खेल पदाधिकारी,संबंधित जिला के जिला शिक्षा पदाधिकारी,जिला शिक्षा अधीक्षक,जिला खेल समन्वयक,खेल संघों के प्रशिक्षक (कोच),संबंधित खेल संघ के पदाधिकारी एवं शारीरिक शिक्षक का सहयोग प्राप्त करना है। परंतु आश्चर्यजनक रूप से सभी नियमों को ताक पर रखते हुए जिला में आयोजित चयन प्रतियोगिता में खेल विभाग द्वारा महज खानापूरी की गई। खेल मैदान में शारीरिक शिक्षक एवं खेलो इंडिया डे बोर्डिंग सेंटर की बालिकाओं से चयन प्रक्रिया करवाई गई। इतना पर भी जिला खेल विभाग ने बस नहीं किया। खेल कूद युवा कार्य निदेशालय द्वारा जारी पत्र के आलोक में चतरा खेल विभाग ने भी ज्ञापांक 399/खेल दिनांक 12/09/2025 के माध्यम से पत्र जारी किया। आरोप है कि पत्र में सभी नियमों का उल्लेख भी किया गया,परंतु पत्र किसी भी संबंधित को नहीं भेजा गया। यानी कि पत्र तो टाईप हुआ,परंतु इसे कार्यालय में ही दबा कर रख दिया गया। आपको बताते चलें कि 19 सितंबर को कबड्डी के खिलाड़ियों का चयन होना तय हुआ था। परंतु जब ग्रामीण क्षेत्र की नेशनल स्तर एवं राज्य स्तर की पदक विजेता बालिका खिलाड़ी चयन प्रक्रिया में हिस्सा लेने स्टेडियम पहुंची तो खेल विभाग के प्रधान सहायक शिवकुमार और एलडीसी रंजीत कुमार ने उन्हें यह कहकर वापस भेज दिया कि यहां सिर्फ बालक का चयन होना है,बालिका का नहीं। इस बाबत जिला ओलम्पिक संघ के कोषाध्यक्ष जितेंद्र चंद्रवंशी ने आरोप लगाया कि जिला खेल विभाग द्वारा किसी भी खेल संघ को जिला स्तरीय प्रतिभा चयन प्रतियोगिता की विधिवत जानकारी नहीं दी गई। कहा कि कबड्डी की बालिका टीम चयन प्रक्रिया में हिस्सा लेने स्टेडियम पहुंची तो यह कहकर वापस कर दिया गया कि आप लोगों की यहां सीट नहीं है,सिर्फ बालक की है।

जितेंद्र चंद्रवंशी ने कहा कि जब बालिकाओं के लिए सीट नहीं थी तो इस बाबत पूर्व में कोई जानकारी क्यूं नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि कबड्डी कोच निर्भय कुमार के साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया।कार्यालय कर्मियों ने कबड्डी कोच निर्भय को कहा कि हमलोग खेल संघ को इसलिए नहीं बुलाते हैं,क्योंकि यह लोग कानून बघारते हैं। वहीं इस बाबत जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि ओलम्पिक संघ को वाट्सएप के माध्यम से पत्र भेजा गया था। वहीं दूसरी ओर ताजा घटनाक्रम में जिला ओलम्पिक संघ ने खेल संघों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उपायुक्त के समक्ष आपत्ति जताई है। बहरहाल मामला चाहे जो भी हो परंतु इतना तय है कि जिला खेल विभाग द्वारा जिलास्तरीय प्रतिभा चयन प्रतियोगिता में जिस प्रकार से चयन प्रक्रिया अपनाई गई उसमें पारदर्शिता का पूरी तरह से अभाव दिखा।एक तरह से इसे महज खानापूर्ति कहा जाए तो आश्चर्य की बात नहीं।

कस्तूरबा विद्यालय में शॉर्ट सर्किट से लगी आग
स्वास्थ्य मंत्री की तत्परता से 23 छात्राएं सुरक्षित

संवाददाता

रांचीः जामताड़ा जिले के नारायणपुर में बीते शुक्रवार की शाम को कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में शॉर्ट सकिर्ट से अचानक आग लगने की घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला गई।

धुएं के कारण विद्यालय की 23 छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई जिन्हें आनन-फानन में सीएचसी नारायणपुर भर्ती कराया गया। जैसे ही घटना की सूचना मिली, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने अपने सारे कार्यक्रम रद्द कर तत्काल नारायणपुर अस्पताल पहुंचकर छात्राओं से मुलाकात की और उनका हाल-चाल जाना। मंत्री के पहुंचते ही पूरा अस्पताल अलर्ट मोड में आ गया और

चिकित्सा व्यवस्था और तेजी से जुट गई। डॉ. अंसारी ने कहा कि उपचार के बाद सभी बच्चियों की हालत पूरी तरह से स्थिर है। जरूरत पड़ी तो उन्हें बेहतर इलाज के लिए बड़े अस्पताल भेजा जाएगा। मैं सभी छात्राओं के माता-पिता से मिला हूं और हर संभव मदद का भरोसा देता हूं।

डॉ. अंसारी ने आगे कहा कि यह घटना प्राकृतिक आपदा जैसी थी, भारी बारिश और ठनका गिरने की वजह से छात्राएं बेहोश हुईं, लेकिन नारायणपुर की जनता, स्वास्थ्यकर्मियों और समाजसेवियों की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। मंत्री ने मीडिया बंधुओं को भी धन्यवाद दिया जिन्होंने तुरंत सूचना साझा की। डॉ. अंसारी ने अस्पताल का निरीक्षण करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की कमियों का जायजा लिया और कहा कि विभाग के पास पर्याप्त फंड है। अस्पताल की हर जरूरत पूरी की जाएगी, लेकिन इलाज और स्वास्थ्य व्यवस्था में जरा सी भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रभारी को सख्त निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने साफ-साफ संदेश दिया कि सरकार जनता की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए पूरी तरह समर्पित है।

डिजिटल दुनिया से परे रोमांच का करें अनुभव
सीडीएस ने छात्रों से कहा- सशस्त्र बलों में हों शामिल

संवाददाता

रांचीः प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने स्कूली छात्रों के एक समूह को सशस्त्र बल में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि वे मोबाइल स्क्रीन और डिजिटल दुनिया से बाहर आकर उन रोमांचक जगहों की यात्रा पर निकलें, जहां तक पैसे से भी नहीं पहुंचा जा सकता। चौहान ने यहां राजभवन में 36 स्कूलों के छात्रों के साथ बातचीत के दौरान कहा, सशस्त्र बलों से जुड़िए, केवल सेवा के लिए नहीं बल्कि दुनिया को उस तरह से देखने के लिए, जैसा कोई और नहीं देख सकता। उद्देश्य, अनुशासन और बेमिसाल रोमांच से भरा जीवन अपनाइए।" जनरल चौहान ने कहा, मोबाइल स्क्रीन पर चिपके रहने के बजाय भारत के जीवंत भूगोल, इतिहास और

विविधता का अनुभव कीजिए, जिसे कोई पैसों से नहीं खरीद सकता।" उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सेवा करना, उसे खोजने और समझने की यात्रा भी है। सीडीएस ने कहा कि सैनिकों के लिए अनोखे अनुभव इंतजार करते हैं जैसे नगालैंड का लुंगवा गांव, जहां मुखिया का घर आधा भारत और आधा म्यांमा में है या अरुणाचल प्रदेश का डोंग गांव, जहां भारत का पहला सूर्योदय होता है। उन्होंने कहा, यहीं पर संस्कृतियां मिलती हैं, सीमाएं जुड़ती हैं और असली भारत सामने आता है।" उन्होंने कहा, इन अनुभवों को आप पैसे से नहीं खरीद सकते। ये सिर्फ वर्दी पहनने से मिलते हैं।"

कुड़मी समाज के साथ हुए अन्याय का हो समाधानः सुदेश महतो

संवाददाता

रांचीः कुड़मी समुदाय के सदस्य अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा और कुड़माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की अपनी मांग के समर्थन में झारखंड के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर आज यानी शनिवार को अनिश्चितकालीन ह्यरेल टेका' (रेल रोको) आंदोलन शुरू हो गया। वहीं, आजसू पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने कुड़मी समुदाय द्वारा झारखंड, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में आहूत रेल टेका, डहर छेका आंदोलन को लेकर एक्स और फेसबुक पर आज कविता के रूप में एक भावपूर्ण पोस्ट किया है।

महतो ने कहा है कि झारखंड आंदोलन और राज्य निर्माण में कुड़मी समुदाय ने सबसे ज्यादा बलिदान दिया है, इसलिए उसका स्वाभिमान और सम्मान बचना चाहिए। विदित हो कि आजसू पार्टी ने कल ही कुड़मी समुदाय केयू आंदोलन को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की थी और इसके सांसद-विधायक समेत वरिष्ठ नेताओं को आंदोलन की सफलता के लिए प्रभारी नियुक्त किया गया है। महतो ने कहा कि कुड़मी समाज के साथ 1931 के बाद ऐतिहासिक अन्याय हुआ है जिसका समाधान होना चाहिए। उन्होंने कहा है कि इससे न तो किसी की हकमारी होगी और ना ही नुकसान होगा। किसी भी समुदाय के साथ सामाजिक अन्याय हुआ है तो उन सबका साथ साथ समाधान हो। महतो द्वारा पोस्ट की गई पंक्तियां इस प्रकार हैं - झारखंड निर्माण में दिया जिस समाज ने बड़ा बलिदान! बचे उसका स्वाभिमान, हो उसका सम्मान। कुड़मी समाज के साथ 1931 के बाद हुए अन्याय का हो शीघ्र समाधान। किसी को नुकसान नहीं, किसी की हकमारी भी नहीं, सभी ऐतिहासिक सामाजिक अन्याय का हो साथ - साथ समाधान।

युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बने अभिजीत गांगुली

संवाददाता

रांची : आज के दौर में युवा लोकल फॉर वोकल हो रहे हैं। ऐसे में अभिजीत गांगूली कांके ही नहीं बल्कि झारखंड व देश में एक चमकता नाम है, जो गांगुली मैन्युफैक्चरर्स नामक लघु व्यवसाय कर अन्य लोगों को भी रोजगार दे रहे हैं। खुद छोटी सी आयु में हाउस व ऑफिस क्लीनिंग के सारे उत्पाद को अपने से बना कर पूरे देश में बेचने का प्रयास कर रहे हैं। इसके साथ ही लोगों से ये आग्रह कर रहे हैं कि वह मात्र 75000 रुपये में उनके उत्पाद का डिस्ट्रीब्यूटर बन कर दूसरों की नौकरी करने की बजाय खुद का बॉस बने। इसके लिए उन्होंने ऑफर भी शुरू किया है। जिसमें वह तमाम चीज उपलब्ध करा रहे हैं, जो घर, कार्यालय या किसी कार्यस्थल पर सफाई के लिए

आवश्यक है। उनके कई सारे उत्पाद हैं जो बाजार में धड़ल्ले से बिक रहे हैं। इस गांगुली मैन्युफैक्चरर्स का उद्घाटन पिछले दिनों विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर कांके विधायक सुरेश बैठा ने फीता काट कर किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि युवाओं को इनसे सीख लेनी चाहिए और आगे चलकर ऐसे ही छोटे-छोटे उद्योग लगाकर लोग आत्मनिर्भर बन रहे हैं। अभिजीत स्वयं का रोजगार शुरू कर अपने पैरों पर तो खड़े हुए ही हैं, अब कई लोगों को रोजगार भी दे रहे हैं। इस तरह के उद्योग से जब लोग आत्मनिर्भर होंगे, तो बेरोजगारी घटेगी और हमारा समाज, राज्य और देश समृद्ध होगा। इस संबंध में अभिजीत गांगुली बताते हैं कि कोई भी युवा या छोटे व्यवसायी जो अपना उद्योग कम पूंजी में शुरू करना चाहते हैं मात्र 5000 से भी इस व्यवसाय को शुरू कर सकते हैं। वहीं जो 75000 का ऑफर दिया जा रहा है, उसमें गांगुली मैन्युफैक्चरर्स की ओर से प्रचार-प्रसार और मार्केट भी व्यवसाईयों को उपलब्ध कराया जाएगा।

माहेश्वरी महिला समाज का दिवाली मेला 8-9 अक्टूबर को

संवाददाता

रांचीः माहेश्वरी महिला समिति द्वारा प्री दिवाली एग्जीविशन का आयोजन आगामी 8 एवं 9 अक्टूबर 2025 सेवा सदन पथ पर स्थित माहेश्वरी भवन में किया जा रहा है। इस एग्जीविशन में ग्राहकों को मिलेगा एक ही छत के नीचे इस दिवाली घर सजावट के विभिन्न प्रकार के सामान जैसे कैंडल्स, दीया, बंदरवार, बेडशीट, डेकोरेटिव आइटम्स, गिफ्ट आइटम्स, त्योहार में पहनने के लिए डिजाइनर साड़ी, कुर्ती, लहंगा, जेवलरी, भगवान जी के पोशाक एवं उनकी सजावट के सामान के साथ और भी अन्य सामान प्री दिवाली एग्जीबिशन के लिए स्टॉल्स की बुकिंग शुरू हो चुकी है जिसके लिए निर्धारित शुल्क रखा गया है, कई स्टॉल बुक हो गये है। ग्राहकों के लिए खरीदारी के साथ फूड स्टाल की भी व्यवस्था है। एग्जिवीशन स्टाल बुकिंग के लिए अध्यक्ष भारती चितलांगिया (97080 36702), एग्जीविशन सयोजक विनीता बियानी (87092 71191) कविता मंत्री (77630 74116), रंजू मालपानी (80511 29708), शशि डागा (87096 74960), सुमन चितलांगिया (98357 57775) से संपर्क करें ।

रांची फुटपाथ दुकानदारों के मामले में हाइकोर्ट के आदेश का हो पालन : फेडरेशन

संवाददाता

रांचीः नेशनल हॉकर फेडरेशन और रांची फुटपाथ दुकानदार हॉकर संघ ने कहा है कि फुटपाथ दुकानदारों के मामले में हाइकोर्ट के 12 अगस्त 2025 के आदेश का पालन होना चाहिए। फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव शक्तिमान घोष ने शुक्रवार को सत्यभारती सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि फुटपाथ दुकानदारों को उजाड़ने से पहले बसाया जाये। उन्होंने हाइकोर्ट के आदेश के आलोक में कहा कि फुटपाथ दुकानदारों के लिए जो कानून बनाया गया था, उसे लागू किया जाये। कानून के आधार पर नौ साल पहले रांची में फुटपाथ दुकानदारों का सर्वे कराया गया था। सर्वे के आधार पर टाउन वेंडर कमेटी का गठन हुआ था, जो अपना काम कर रही थी। लेकिन बीते कुछ वर्षों में कानून के खिलाफ कार्य हो रहा है। श्री घोष ने कहा कि एक बार फिर से सर्वे कराया जाये और टाउन वेंडर कमेटी का पुनर्गठन हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार और नगर निगम उनकी मांगें नहीं मानते हैं, तो दुर्गा पूजा के बाद चरणबद्ध आंदोलन किया जायेगा। 24 नवंबर को रैली निकाली जायेगी और राजभवन के समक्ष धरना दिया जायेगा। इसके अलावा आगामी विधानसभा सत्र के दौरान विधानसभा का घेराव भी किया जायेगा। शक्तिमान घोष ने बताया कि 2016 के सर्वे में रांची में 5901 फुटपाथ दुकानदार थे, जबकि 2015 में रांची शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को मिलाकर यह संख्या लगभग 30,000 थी। उन्होंने कहा कि सरकार और निगम से उम्मीद है कि फुटपाथ दुकानदारों की मांगों पर ध्यान दिया जायेगा और इस पर पहल की जायेगी। संवाददाता सम्मेलन में रांची फुटपाथ दुकानदार संघ के अध्यक्ष दीपक सिंह, महासचिव अनिता दास, राजकुमार चौरसिया सहित अन्य लोग शामिल थे।

कुड़मी समाज के रेल रोको आन्दोलन को लेकर पुलिस बल सक्रिय

मुरीः बीती रात से मुरी स्टेशन से 300 मीटर दायरे में निषेधाज्ञा लागू किया गया जो रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक रहा। मुरी स्टेशन के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है। जगह जगह बेरिकेडिंग किया गया है। सिंगपुर मोड़ में बेरिकेडिंग के साथ पुलिस तैनात किया गया। रेल यातायात को सामान्य बनाए रखने को लेकर प्रशासन चुस्त दुरुस्त है।

आन्दोलन कारियों ने मुरी स्टेशन पर रोका ट्रेन

मुरी : हमारी मांगे पूरी करो, आदिवासी में शामिल करना होगा, करना होगा के नारों के साथ कुडमी- कुर्मी संगठन ने अपनी मांग को लेकर मुरी स्टेशन पर ट्रेन करीब 11बजे से रोक रखी। हजारों की संख्या में लोग एकत्रित हुए। वहीं पुलिस बल तैनात रहा। संगठन के लोग उतरी छोर बड़ा मुरी रेलवे आउटर से प्रवेश किया।रेल पटरी पर चलते हुए मुरी स्टेशन पर पहुंच कर ट्रेन को रोका। महिलाओं की भी संख्या अधिक रही।

शालीमार बाजार में जलेगा 55 फीट का रावण,

संवाददाता

रांचीः विजयदशमी रावण दहन समिति द्वारा एचइसी के शालीमार बाजार में विजयादशमी के दिन 55 फीट के रावण और 50 फीट के कुंभकरण का पुतला दहन किया जायेगा। समिति के अध्यक्ष संजीत यादव ने बताया कि पुतलों का निर्माण मो मुस्लिम द्वारा किया जा रहा है। इस वर्ष करीब एक घंटे की आतिशबाजी होगी। इस बार रावण और कुंभकरण के पुतले को इलेक्ट्रॉनिक तीर से आग लगायी जायेगी। पहले पुतले का दहन पुआल में आग लगाकर किया जाता था। भगवान राम, माता सीता, भाई लक्ष्मण और हनुमान जी के वेश में कलाकार रामलीला मैदान से खुले ट्रक में भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे। वहां झारखंडी कलाकारों द्वारा छऊ नृत्य प्रस्तुत किया जायेगा। समिति द्वारा यहां पूजा वर्ष 1967 से की जा रही है। समिति में मुख्य संरक्षण आलोक कुमार दुबे, मुख्य सहयोगी अभिषेक साहू, महासचिव सौरव पांडे, उपाध्यक्ष मंटू कुमार, कोषाध्यक्ष राहुल तिवारी और रवि शंकर शामिल हैं।

राकेश रंजन के लिए शुभ है अंक 74

ज्योति पाठक

रांची : रांची के नव पदस्थापित वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने 74वें वरीय पुलिस अधीक्षक के रूप में अपना प्रभार ग्रहण किया। वहीं इससे पूर्व श्रीरंजन पश्चिम सिंहभूम चाईबासा में भी 74वें पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थापित रहे थे। इस प्रकार से श्री रंजन के लिए 74 का अंक काफी उपलब्धि भरा और महत्वपूर्ण है।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा नोटिस सं.: DY-CE-C-II-JU-T-09R-LUNI-SMR-BLDI

भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण)-द्वितीय, उत्तर-पश्चिम रेलवे, जोधपुर निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा (खुली निविदा दोहरी पैकेट पद्धति) आमंत्रित करते है। **कार्य का नाम स्थान सहित:** Laying and linking of Broad Gauge main Line, including points and crossings, spreading of Ballast, tamping of track, transportation of P.Way Materials and other ancillary works from Marwar-kori (Excluding) Km 133/00 to Bhildi Jn Including) Km 223/4-5 in connection with LUNISMR-BLDI doubling project of North Western Railway. **कार्य की अनुमानित लागत:** रु.38,14,55,485.82 **जमा की जाने वाली बयाना राशि:** रु. 20,57,300.00 **ई-निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 06.10.2025 को 15:00 बजे तक **वेबसाइट का विवरण, जहां पर ई-निविदा देखी व भरी जा सकती है:** www.ireps.gov.in **कार्यालय ई-मेल का पता:** dycec2jodhpur@gmail.com

1195-PM/25

हमें /NWRailways /NWRailways_ पर फॉलो करें

समय कंस्ट्रक्शन्स ने भवन निर्माण के क्षेत्र में बनाया कीर्तिमान

- ✔ झारखंड में साढ़े तीन हजार ग्राहकों को सौंपा गुणवत्ता युक्त आवास
- ✔ द सफायर परियोजना की सफलता पर डायरेक्टर/प्रमोटर राजेश सिंह सम्मानित

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची/जमशेदपुरः भवन निर्माण के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त कंस्ट्रक्शन कंपनी समय होम्स/समय कंस्ट्रक्शन ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कंपनी द्वारा झारखंड में लगभग साढ़े तीन हजार ग्राहकों को गुणवत्तायुक्त आवास निर्माण करा कर सौंपा गया।

समय कंस्ट्रक्शन्स के आदित्यपुर सतबोहनी में निर्माणाधीन प्रोजेक्ट द सफायर के एक ग्राहक और वरिष्ठ नागरिक केशव सिंह वहां कार्य की गुणवत्ता को देखकर काफी प्रभावित हुए।? एक ग्राहक के रूप उन्होंने द सफायर के निर्माणाधीन परियोजना का अवलोकन किया।विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर उन्होंने मेसर्स समय होम्स और समय कंस्ट्रक्शन ग्रुप के डायरेक्टर राजेश सिंह को शॉल ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस मौके पर उनकी धर्मपत्नी और कंपनी की निदेशक भारती सिंह भी उपस्थित थी। केशव सिंह ने राजेश सिंह को इसी तरह ग्राहकों की सेवा में गुणवत्तापूर्ण कार्य करते रहने का आशीर्वाद दिया। गौरतलब है कि समय होम्स के प्रोमोटर राजेश सिंह स्वयं एक सिविल इंजीनियर रहे हैं और अबतक झारखंड में 3500 से ज्यादा घरों का गुणवत्तापूर्ण निर्माण कर ग्राहकों को सौंपा है। उनकी इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए ग्राहकों, शुभचिंतकों ने बधाई दी है।

रॉंची समाहरणालय, रॉंची
(जिला भू-अर्जन शाखा)

आदेश

Link Line Between Lodhma-Piska By Passing Hatia/Ranchi परियोजना अन्तर्गत अर्जित की जाने वाली भूमि तथा प्रभावित रैयतों के दावा एवं दावों की प्रतिपूर्ति हेतु राजस्व कागजात एवं मुआवजा प्राप्त करने हेतु शिविर का आयोजन किया गया है जो निम्नवत है:-

क्रमांक	मौजा का नाम	शिविर की तिथि एवं समय	शिविर का स्थान	अभ्युक्ति
1	टिकराटोली	दिनांक-23.09.2025 समय-पूर्वाह्न 11:30 बजे	पंचायत भवन नारो	
2	बालालौंग, बारीडीह एवं सैम्बो	दिनांक-24.09.2025 समय-पूर्वाह्न 11:30 बजे	पंचायत भवन बालालौंग	
3	चेटे एवं सिंहपुर	दिनांक-25.09.2025 समय-पूर्वाह्न 11:30 बजे	पंचायत भवन चेटे	
4	कुदलौंग	दिनांक-26.09.2025 समय-पूर्वाह्न 11:30 बजे	पंचायत भवन कुदलौंग	

उक्त शिविर में उपस्थित होने हेतु श्री पंकज कुमार सिन्हा, कानूनगो एवं श्री राज कुमार महतो, अमीन, जिला भू-अर्जन कार्यालय, रॉंची की प्रतिनियुक्ति की जाती है।

अतः प्रतिनियुक्त कानूनगो/अमीन को आदेश दिया जाता है कि उक्त शिविर में ससमय उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

जिला भू-अर्जन पदाधिकारी
रॉंची

PR 362351 (Land Reforms)25-26*D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

ड्रोन और ड्रग्स

यह अच्छी बात है कि केंद्र की राजग सरकार ने वर्ष 2047 तक भारत को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। राज्य सरकारों ने भी प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प को भरपूर समर्थन का वायदा किया है। हालांकि, यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य तब तक हासिल नहीं किया जा सकता है, जब तक कि अंतर्राष्ट्रीय साजिश से नशे के संकट को झेल रहे राज्यों में सबसे संवेदनशील पंजाब के हालात पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है। पंजाब में सीमा पार से चलाये जा रहे नशे के कारोबार की साजिश से पंजाब किस हद तक त्रस्त है, इस सप्ताह की शुरूआत में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी की 2024 की रिपोर्ट से वह भयावह तसवीर उभरती है। एनसीबी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले चार वर्षों में पाकिस्तान से इस सीमावर्ती राज्य में आये ड्रग्स से लदे ड्रोनों के देखे जाने और बरामद होने की घटनाओं में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि देखी गई है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने चिंता जतायी है कि सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी के लिये ड्रोन का इस्तेमाल भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिये भी एक बड़ा खतरा बनकर उभर रहा है। इन हालात को देखकर कानून प्रवर्तन और सीमा सुरक्षा एजेंसियों के हाथ-पांव फूल रहे हैं। दरअसल, चिंता की बात यह है कि ड्रग तस्करी करने वाले गिरोह जोखिम भरे पारंपरिक जमीनी तरीके अपनाने के बजाय हवाई मार्ग से तस्करी को अंजाम दे रहे हैं। यह स्थिति कितनी विकट है नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा पेश आंकड़ों से यह पता चलती है। एनसीबी के अनुसार पिछले साल भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थों की तस्करी के 179 मामले दर्ज किए गए, जिसमें सबसे अधिक 163 मामले पंजाब में थे। उसके बाद राजस्थान में पंद्रह और जम्मू-कश्मीर में एक मामला सामने आया। इससे इस बात में कोई संदेह नहीं रह जाता कि बरामदगी की बहुत ज्यादा घटनाओं के बावजूद पंजाब सीमा पार के नशे तस्करों के लिये सबसे अच्छा विकल्प बना हुआ है। नशा तस्करों के खतरनाक मंसूबे देखिए कि हाल में पंजाब में बाढ़ के दौरान नशा तस्कर आपदा में अवसर तलाशते रहे। इन आपराधिक तत्वों ने हाल में आई बाढ़ का फायदा उठाकर नावों और टायर-ट्यूबों के जरिये भारत में नशीले पदार्थों की तस्करी की है। इसके साथ यह भी चिंताजनक स्थिति है कि विदेशी गैंगस्टर नशीले पदार्थों के देश के तस्करों और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर इस संकट को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। जो पंजाब के लोगों के लिये जानलेवा साबित हो रहा है। राज्य में, देश में पकड़ी गई हेरोइन का 45 फीसदी बरामद होना पंजाब की नशे की दलदल की गहराई को दशार्ता है। वहीं राज्य में पिछले साल 2.9 करोड़ नशे की गोलियां बरामद होना बताता है कि नशे का संकट कितना भयावह हो चला है। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश में 51 लाख नशे की गोलियां बरामद की गई। पहले व दूसरे नंबर का अंतर भी स्थिति की विकटता को ही दशार्ता है। विडंबना यह है कि राज्य के ग्रामीण इलाकों के युवा हेरोइन और कोकीन के तस्करों के लिये आसान निशाना बन रहे हैं। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने कुछ महीने पहले सही ही कहा था कि नशीले पदार्थों का संकट अब केवल व्यक्तिगत लत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने सार्वजनिक व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून के शासन के लिये खतरा पैदा करना शुरू कर दिया है। निस्संदेह, पंजाब सरकार के ह्ययुद्ध नशे के विरुद्धह्व अभियान को केंद्र सरकार की नशा मुक्त पहल के साथ जोड़ कर चलाया जाना चाहिए। यह स्पष्ट है कि पंजाब में आने वाली नशीली दवाओं की आपूर्ति अब अन्य राज्यों में भी की जा रही है। देश के सीमावर्ती राज्यों पंजाब, असम, मिजोरम, राजस्थान, पश्चिम बंगाल व जम्मू-कश्मीर में यह संकट गहरा रहा है। जहां विदेशों में बैठे नशा तस्करों द्वारा देश में नशे का जहर भेजा जा रहा है। नार्को आतंकवाद से निपटने के लिये केंद्र और राज्य सरकारों के बीच तथा राज्यों के बीच भी बेहतर तालमेल वक्त की जरूरत है।

पराली की कसक

निर्विवाद रूप से पर्यावरण प्रदूषण देश के सामने एक बड़ा संकट है। लाखों लोगों के जीवन पर इससे संकट के बादल मंडराते हैं। शीत ऋतु की दस्तक के साथ राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण की काली छाया के बीच अक्सर इस संकट के मूल में निकटवर्ती राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं को जिम्मेदार बताने की कवायद हर साल होती है। इस बार भी पंजाब में धान की खरीद शुरू होने के बाद विभिन्न हितधारकों का ध्यान एक मौसमी समस्या पराली जलाने की ओर आकर्षित हुआ है। सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से उस कुप्रथा में लिप्त कुछ किसानों को गिरफ्तार करने के बारे में निर्णय लेने को कहा है, जिसे हर साल अक्तूबर-नवंबर में वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण बताया जाता है। वैसे न्यायालय ने इस बात को स्वीकार किया है कि ह्यहमारे लिये किसान विशेष हैं और हम उनकी बदौलत ही भोजन प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही अपनी खाद्य शृंखला को मजबूत कर रहे हैं।ह्ण लेकिन वहीं दूसरी ओर शीर्ष अदालत ने राज्य से पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में कड़ा संदेश देने के लिये दंडात्मक प्रावधान लागू करने का भी आग्रह किया है। निर्विवाद रूप से देश में पंजाब और हरियाणा, जो कि खाद्यान्न उत्पादन में अग्रणी राज्य भी हैं, पराली जलाने से रोकने के लिये विगत में कभी-कभी किसानों को जेल में भी डालते रहे हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि यह कठोर कदम व्यावहारिक धरातल में एक प्रभावी निवारक साबित नहीं हो सका है। हमें इस बात की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि पिछले कुछ वर्षों में हुई गिरफ्तारियों और भारी जुर्माने ने इस क्षेत्र के कृषक समुदाय के गुस्से को भड़काया ही है। जिसने केंद्र और राज्य सरकारों के खिलाफ आवाज उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। वैसे एक हकीकत यह भी है कि सत्ताधीशों के लिये किसानों पर आपराधिक मुकदम चलाना राजनीतिक दृष्टि से एक जोखिम भरा कदम माना जाता है। निस्संदेह, इन राज्यों में किसान अब एक प्रभावशाली वोट बैंक बन चुके हैं। खासकर पंजाब में किसानों की जागरूकता सत्ताधीशों पर दबाव बनाने में कामयाब हो जाती है। सर्वविदित है कि देश के सीमावर्ती राज्य पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ के दौरान धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। ऐसे में किसानों के खिलाफ कोई सख्त कदम उठाना संवेदनशीलता की दृष्टि से उचित भी नहीं कहा जा सकता है। इसलिए अधिकारी किसी संभावित आक्रोश से बचने के लिये दंडात्मक कार्रवाई से बचने का प्रयास कर सकते हैं। ऐसे में वे कोई सुरक्षित रुख अपना सकते हैं। निस्संदेह, किसी ऐसी सख्त कार्रवाई से पहले ही प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे किसानों की स्थिति और बिगड़ सकती है। ऐसे हालात में किसानों से टकराव की बजाय सहयोग को प्राथमिकता बनाना तार्किक कहा जा सकता है। आर्थिक विकल्प, दंड से बेहतर काम करेगा। दूसरी ओर किसानों को पराली के प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। हम उन्हें सशक्त बनाकर इस संकट का तार्किक समाधान निकाल सकते हैं। सरकार प्रयास करे कि पराली का उपयोग उद्योगों द्वारा जैव ईंधन के रूप में एक उत्पादक विकल्प के तरह किया जाए। हमारे देश के ऊर्जा उत्पादन में बायोमास के उपयोग को बढ़ावा देने से जमीनी स्तर पर बदलाव लाया जा सकता है। पराली आधारित बॉयलरों को अपनाने वाले उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिये पूंजीगत सब्सिडी सराहनीय पहल बन सकती है। सर्दियों में भीषण ठंड से बचने के लिये पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की भलाई सुनिश्चित करने वाले पर्यावरण अनुकूल कदम उठाना भी जरूरी है। साथ ही पराली का निस्तारण करने वाली मशीनों की खरीद के लिये किसानों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। मशीनों की खरीद में सब्सिडी तथा ग्राम पंचायत स्तर पर सहकारिता के आधार पर इनके उपयोग से भी सार्थक परिणाम मिल सकते हैं।

टिटहरी: प्रकृति की मौन चेतावनी

लोकजीवन में एक और मान्यता है कि टिटहरी का मृत शरीर कुरुक्षेत्र के अलावा कहीं दिखाई नहीं देता। चाहे यह तथ्य हो या कल्पना, लेकिन यह विश्वास उसे जीवन और अस्तित्व की रक्षा का प्रतीक बना देता है। टिटहरी को देखने वाला किसान समझ जाता है कि यह पक्षी उसकी मिट्टी, फसल और भविष्य का पहरेदार है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत का ग्रामीण जीवन सदियों से प्रकृति के साथ गहरे संवाद में रहा है। खेत, मौसम और जीव-जंतु मिलकर किसान की दिनचर्या और भविष्य दोनों को प्रभावित करते हैं। इन सबके बीच टिटहरी एक ऐसा छोटा-सा पक्षी है, जो सामान्य आँखों से मामूली दिखता है, लेकिन किसानों और लोकजीवन की स्मृतियों में यह मौसम की सटीक भविष्यवाणी करने वाला प्रहरी माना जाता है। यह केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि धरती और आकाश के बीच संवाद का माध्यम है, एक मौन दूत है जो संकट और समृद्धि दोनों की आहट पहले ही दे देता है। ग्रामीण अनुभव बताते हैं कि टिटहरी का व्यवहार मौसम और कृषि की दिशा तय करने में अहम संकेत देता है। यदि वह चार अंडे देती है तो चार महीने अच्छी वर्षा होने का विश्वास किया जाता है। जब वह ऊँचाई पर अंडे देती है, तो लोग मानते हैं कि सामान्य से अधिक वर्षा होगी। यदि कभी वह मजबूरी में छत या पेड़ पर अंडे दे तो यह भीषण बाढ़ का संकेत माना जाता है। वहीं, यदि वह अंडे न दे तो यह सबसे डरावनी स्थिति होती है, क्योंकि लोग इसे अकाल का सूचक मानते हैं। किसान कहते हैं कि जिस खेत में टिटहरी अंडे देती है, वह खेत खाली नहीं रहता, वहाँ फसल जरूर होती है। इस तरह यह पक्षी न केवल वर्षा और मौसम से जुड़े संकेत देता है बल्कि उसकी उर्वरता और अकाल जैसी विषम स्थितियों की चेतावनी भी बन जाता है।

लोकजीवन में एक और मान्यता है कि टिटहरी का मृत शरीर कुरुक्षेत्र के अलावा कहीं दिखाई नहीं देता। चाहे यह तथ्य हो या कल्पना, लेकिन यह विश्वास उसे जीवन और अस्तित्व की रक्षा का प्रतीक बना देता है। टिटहरी को देखने वाला किसान समझ जाता है कि यह पक्षी उसकी मिट्टी, फसल और भविष्य का पहरेदार है। यही कारण है कि ग्रामीण लोकगीतों और कहावतों में भी टिटहरी का उल्लेख मिलता है। यह उन जीवों में से है जिसकी गतिविधियों पर पीढ़ियाँ भरोसा करती रही हैं।

अब सवाल उठता है कि जब विज्ञान मौसम की भविष्यवाणी के लिए उपग्रह, राडार और कंप्यूटर मॉडल जैसे अत्याधुनिक साधन लेकर आया है, तब टिटहरी जैसे पक्षियों की भूमिका क्या रह जाती है। वास्तव में इसका उत्तर यही है कि विज्ञान और लोकअनुभव एक-दूसरे के पूरक हैं, विरोधी नहीं। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो टिटहरी जैसे पक्षी पर्यावरणीय परिवर्तनों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं। हवा की नमी, तापमान का उतार-चढ़ाव, भूमि की नमी, जल स्तर का बढ़ना या घटना- इन सबका असर उनके व्यवहार पर पड़ता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक भाषा में इन्हें ह्यइकोसिस्टम इंडिकेटरह्न कहा जाता है। यानी ऐसे जीव जो अपने आचरण के माध्यम से हमें पर्यावरणीय बदलावों की समय रहते जानकारी दे देते हैं।

हमारे पूर्वजों ने विज्ञान के औजारों का सहारा लिए बिना ही इन संकेतों को अनुभव के आधार पर समझा और उनका लाभ उठाया। सदियों से किसान टिटहरी की गतिविधियों पर नजर रखते आए हैं। अगर वह अंडे देने का समय टाल दे तो किसान पहले ही सतर्क हो जाते थे। यदि वह जमीन छोड़ कर ऊँचाई पर चली जाए, तो वे अधिक वर्षा और संभावित जलभराव को लेकर चौकन्ने हो जाते थे। इस प्रकार लोकानुभव ने जो बातें कही हैं, वे वास्तव में वैज्ञानिक कारणों से जुड़ी हुई हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि किसानों ने इन्हें अपनी भाषा और प्रतीकों में व्यक्त किया। आज जब हम शहरीकरण और औद्योगिकीकरण की चमक में डूबे हैं, तब सबसे बड़ा संकट यही है कि हमने प्रकृति की इस मौन भाषा को सुनना लगभग छोड़ दिया है। शहरों में रहने वाला इंसान यह नहीं जानता कि कब कोई पक्षी अपनी आदत बदल रहा है, कब उसकी संख्या घट रही है या कब उसका स्वर बदल रहा है। यही लापरवाही हमें अचानक आने वाली आपदाओं के सामने असहाय बना देती है। यदि हम टिटहरी और अन्य पक्षियों के संदेशों को गंभीरता से लें तो आपदा प्रबंधन की हमारी क्षमता कई गुना बढ़ सकती है।

इस पक्षी का महत्व केवल ग्रामीण जीवन तक सीमित नहीं है। यह हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर रूप पर्यावरण के विशाल ताने-बाने से जुड़ा है। जब एक छोटा-सा पक्षी अपने अंडों के जरिए भविष्य की तस्वीर दिखा सकता है, तब यह हमारे लिए चेतावनी भी है कि हम इस तंत्र के साथ खिलवाड़ न करें। विज्ञान भी यही कहता है कि पर्यावरण में सूक्ष्मतम बदलाव का सबसे पहला असर पक्षियों और छोटे जीवों पर दिखाई देता है। यदि हम समय रहते उन्हें सुन लें तो बड़ी त्रासदियों से बच सकते हैं। यह कहना उचित है कि टिटहरी कोई साधारण पक्षी नहीं है। यह हमें यह समझाती है कि ज्ञान केवल प्रयोगशालाओं और उपग्रहों से नहीं आता, बल्कि खेत-खलिहानों और जीव-जंतुओं के आचरण से भी आता है। आधुनिक विज्ञान जहाँ आँकड़ों और तकनीक पर आधारित है, वहीं टिटहरी सहज संवेदना और प्राकृतिक जुड़ाव पर आधारित चेतावनी देती है। दोनों के बीच पुल बनाना ही आज की सबसे बड़ी जरूरत है। आज की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न संरक्षण का है। यदि टिटहरी जैसे पक्षी हमारे बीच से लुप्त हो जाएँगे तो न केवल लोकविश्वास टूट जाएगा, बल्कि पर्यावरणीय चेतावनी प्रणाली का एक अहम हिस्सा भी खो जाएगा। इसके संरक्षण के लिए हमें खेतों में अत्यधिक कीटनाशकों का उपयोग कम करना होगा, प्राकृतिक आवासों को सुरक्षित रखना होगा और जलस्त्रोतों को बचाना होगा। यह केवल एक पक्षी का संरक्षण नहीं होगा, बल्कि अपने भविष्य और अस्तित्व की रक्षा भी होगी।

निष्कर्ष यही है कि जहाँ विज्ञान आँकड़ों और मशीनों पर भरोसा करता है, वहीं टिटहरी जैसी पक्षियाँ सहज चेतावनी देती हैं। विज्ञान देर से अलर्ट करता है लेकिन टिटहरी पहले से सावधान कर देती है। हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि हम इस मौन संवाद को सुनें और उसके अनुसार कदम उठाएँ। यदि हमने इस आवाज को नजरअंदाज किया तो आने वाले समय में न केवल टिटहरी गायब हो जाएगी, बल्कि उसका दिया हुआ संदेश भी हमारे जीवन से खो जाएगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

धर्मांतरण की बढ़ती समस्या

वैश्वीकरण, पश्चिम की अविवेकपूर्ण नकल, सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग, भौतिकवाद, आत्मकेंद्रित मानसिकता आदि भारतीय परिवार व्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। यह समझते हुए कि इन परिवर्तनों की गति, जो भारतीय संस्कृति की आदर्श परिवार व्यवस्था के विपरीत हैं, तेज हो रही है, संघ ने अपने पंच परिवर्तन कार्यक्रम में पारिवारिक प्रबोधन अभियान शुरू किया है।

लालजी जायसवाल

भारत एक बहुधार्मिक, बहुसांस्कृतिक देश है, जहाँ धर्म की आजादी संविधान द्वारा सुनिश्चित है। लेकिन हाल ही में मतांतरण (धर्म परिवर्तन) की घटनाओं में वृद्धि और उनसे जुड़े विवादों ने इस विषय को हवा दे दी है। हाल के दिनों में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जिसमें लोग अपने धर्म को छुपाकर या गलत तरीके से दूसरे धर्म के व्यक्तियों के साथ शादी करते हैं तथा शादी के बाद ऐसे दूसरे व्यक्ति को अपने धर्म में परिवर्तित करने के लिये मजबूर करते हैं। पिछले दिनों राजस्थान विधानसभा में राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म-संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक-2025 पारित कर दिया गया। अवैध रूप से धर्मान्तरण रोकने के लिए विधानसभा ने दूसरी बार विधेयक को मंजूरी दी है। वर्तमान विधेयक में जबरन व प्रलोभन देकर धर्मान्तरण कराने वाली संस्थाओं की अवैध सम्पत्तियों को बुल्डोजर से ध्वस्त करने का प्रावधान है। राजस्थान में किसी भी धर्म के व्यक्ति को अन्य धर्म में शादी करने या किसी अन्य उद्देश्य से धर्म परिवर्तन करने के लिए कलेक्टर को 90 दिन पहले सूचना देकर स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन का घोषणा पत्र देना होगा। ऐसा नहीं करने पर जबरन धर्म परिवर्तन मानते हुए राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म-संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक-2025 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस विधेयक के आधार पर बनने वाला कानून सभी धर्मों पर समान रूप से लागू होगा लेकिन मूल धर्म में वापसी को धर्म परिवर्तन नहीं माना जाएगा। द यह सही है कि संविधान ने हमें किसी भी धर्म को मानने का अधिकार दिया है। यह भी सही है कि स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन को कानूनन गलत नहीं ठहराया जा सकता है। लेकिन देखना यह होगा कि क्या वाकई धर्म परिवर्तन स्वेच्छा से हो रहा है? क्या किसी लोभ के कारण इस तरह की घटनाएँ नहीं हो रहीं? क्योंकि लोभ, भय, ब्लैकमेल आदि के कारण कराया जाने वाला धर्म परिवर्तन अपराध की श्रेणी में आता है। इसलिए इस पर राजनीति से हटकर सख़्त कदम उठाने की जरूरत है। गौर करने वाली बात है कि केंद्रीय स्तर पर देश में मतांतरण को लेकर कोई कानून नहीं है। हालांकि पहले इसके लिए प्रयास हुए पर असफल ही रहा लेकिन अब देश के कई राज्यों में मतांतरण को रोकने के लिए कानून लागू किया गया है। लेकिन अच्छा तो यह होता कि मतांतरण पर कोई देशव्यापी केंद्रीय कानून होता। मतांतरण और विदेशी फंडिंगः पंजाब जैसे राज्यों में काम कर रहे संगठनों ने वहां चल रहे मतांतरण पर चिंता व्यक्त की है। इसके कारण सामाजिक उपद्रव बन रहा है। वहां नशे के कारण युवाओं में परिणाम सामने आ रहे हैं। इस पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। इससे पीड़ित लोगों की सहायता कैसे की जाए, उसके लिए सरकार व पुलिस के साथ समन्वय बनाकर काम हो रहा है। डॉ. अंबेडकर ने कहा था कि जो मत-परिवर्तन लालच से किया जाता है, वह अनुचित है। गांधीजी मानते थे कि मतांतरण राष्ट्रांतरण है। कोर्ट भी मानता है कि यह राष्ट्र के लिए खतरनाक है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय-समय पर केंद्र सरकार से इस पर कानून बनाने की बात कही जाती रही है लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए जा सके हैं। हाल के समय में उच्चतम न्यायालय में अश्वनी उपाध्याय की याचिका पर सुनवाई कर रही पीठ के सामने भी इस मुद्दे पर कानून न होने तथा आर्थिक रुप से पिछड़े नागरिकों का अनैतिक तरीके से मतांतरण कराए जाने की बात कही गई। विदित हो कि विदेशी फंडिंग के जरिए महिलाएं व बच्चे मतांतरण के अधिक शिकार हो रहे हैं इसलिए एक राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी कानून बनाया जाना चाहिए क्योंकि पड़ोसी देशों पाकिस्तान, नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका और भूटान में इसे लेकर कानून है। बावजूद इस दिशा में सरकार का आगे न बढ़ना समझ से परे है। इसका एक कारण वोटबैंक की राजनीति भी है जो धर्मनिरपेक्षता के नाम पर इसका लंबे समय से विरोध करती आ रही है। यह विरोध राष्ट्र के लिए ठीक नहीं। निर्बल असहाय वर्ग को प्रलोभन देकर धर्मांतरण करवाया जाना सख्त कानून के अभाव में आम होता जा रहा है। अनेक राज्यों ने अपने-अपने स्तर पर इस संबंध में कानून बनाए हुए हैं लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर सख्त कानून की आवश्यकता है। ऐसा कानून जिसमें संपूर्ण जांच के उपरांत ही धर्मांतरण को जिला प्रशासन द्वारा मंजूरी दिए जाने का प्रावधान हो। देश में अगर धर्मांतरण निरोधक सख्त कानून होता तो देश के कोने-कोने में जबरन हो रहे धर्मांतरण की खबरें सामने नहीं आती। ये बात सही है कि कुछ राज्यों में इसे रोकने के लिए विधेयक पारित कर कानून जरूर बनाए गए हैं, किंतु केवल कानून बनाना ही पर्याप्त नहीं। बनाए गए कानून का कड़ाई से पालन होना भी उतना ही जरूरी है। किसी की इच्छा के विरुद्ध जाकर उसे दूसरा धर्म अपनाने को मजबूर करना गंभीर अपराध है। आदिवासी बहुल क्षेत्र के लोगों को प्रलोभन देकर या जबरन धर्मांतरण करा दिया जाता है। न जाने कितने लोग ऐसे ही जबरन धर्मांतरण की बलि चढ़ा दिए जाते हैं। इन खबरों को देश के सामने लाने में मीडिया की अहम भूमिका होती है। राज्यों की पहलः अनेक राज्यों ने धर्मांतरण के खिलाफ सख़्त कानून बनाये हैं। इसके बावजूद धर्मांतरण पर रोक नहीं लग सकी है। धर्मांतरण को लेकर सबसे पहले ओडिशा ने कानून बनाया। ओडिशा में धर्मांतरण विरोधी कानून सन् 1967 में लागू किया गया था। इसके बाद सन् 1968 में मध्य प्रदेश कानून बनाने वाला दूसरा राज्य बना। अरुणाचल प्रदेश में सन् 1978 में कानून बना। वहीं, गुजरात में सन् 2003 में कानून बना। समय की माँग के अनुसार अप्रैल, 2021 में पूर्व के कानून में संशोधन भी किया गया। इसके अलावा छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, कर्नाटक आदि राज्यों में कानून बने। झारखण्ड में सन् 2017 में धर्मांतरण पर कानून बना। सभी राज्यों के कानून में एक बात सामान्य है कि जबरन धर्म परिवर्तन के लिए ठोस कार्रवाई का प्रावधान किया गया। झारखण्ड, गुजरात, छत्तीसगढ़ जैसे कुछ राज्य ऐसे हैं, जहाँ धर्म परिवर्तन करने की सूचना ज़िलाधिकारी को देना अनिवार्य किया गया है। गौरतलब है कि राज्य में जो कानून बने हैं, वह जबरन धर्म परिवर्तन पर कार्रवाई के हैं। जबकि स्थानीय लोगों का मानना है कि धर्म परिवर्तन कराने के लिए लोग एक मिशन के तहत इलाके में आते हैं। बाकायदा केंद्र बनाकर धर्म का प्रचार करते है। वे लोगों को लालच देकर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाते हैं। मतांतरण का मुद्दा भारत जैसे विविधता वाले देश में संवेदनशील है, इसलिए इस पर संतुलित और दूरदर्शी नीति अपनाए जाने की जरूरत है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)\

संकटमोचन हनुमान को चढ़ाएं सरसों का तेल, खत्म होंगी हर समस्याएं

हनुमान जी की पूजा में चमेली के तेल और सिंदूर का प्रयोग किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शनिदेव की तरह हनुमान जी को भी सरसों का तेल अर्पित किया जाता है। बता दें कि हनुमान जी को सरसों का तेल चढ़ाने का विशेष महत्व होता है। यह उपाय उन लोगों के लिए अधिक फायदेमंद होता है, जो शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या से परेशान हैं। माना जाता है कि हनुमान जी को सरसों का तेल चढ़ाने से शनिदेव की भी कृपा मिलती है और बुरे प्रभावों को कम करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि हनुमान जी को सरसों का तेल कब और कैसे अर्पित करना चाहिए।

कब और कैसे चढ़ाएं सरसों का तेल

मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी को सरसों का तेल चढ़ाना सबसे उत्तम माना जाता है। क्योंकि मंगलवार का दिन हनुमान जी का है और शनिवार का दिन शनिदेव का है। ऐसे में इस दिन हनुमान जी को सरसों का तेल अर्पित करने से शनि की पीड़ा और जीवन में आने वाली अन्य समस्याओं का अंत होता है। मंगलवार या शनिवार के दिन सबसे पहले सुबह स्नान आदि करने के बाद साफ कपड़े पहनें। फिर पूजा के लिए हनुमान जी की मूर्ति लें और एक दीपक में सरसों का तेल लें। अगर संभव हो तो दीपक मिट्टी का ले लें। इसके अलावा थोड़ा सा तेल हनुमान जी के शरीर पर लगाएं। इस दौरान आप 'ॐ श्री हनुमते नमः' और 'ॐ हनुमते नमः' मंत्र का जाप करें। हनुमान जी को तेल अर्पित करने के बाद सुंदरकांड, बजरंग बाण या हनुमान चालीसा का पाठ करें। वहीं पूजा समाप्त होने के बाद चने और गुड़ का प्रसाद हनुमान जी को अर्पित करें।

हनुमान जी को सरसों का तेल चढ़ाने के लाभ

बता दें कि हनुमान जी को सरसों का तेल चढ़ाने के कई लाभ मिल सकते हैं। यह उपाय उन लोगों के लिए विशेषरूप से फायदेमंद साबित हो सकता है, जो शनि की महादशा, साढ़ेसाती या फिर ढैय्या से पीड़ित हैं। ऐसे में इस उपाय को करने से शनिदेव की क्रूर दृष्टि शांत होती है।

वहीं यह उपाय जीवन में आने वाले दुखों, बाधाओं और परेशानियों को भी दूर करता है। माना जाता है कि हनुमान जी को सरसों का तेल अर्पित करने से निगेटिव एनर्जी दूर होती है और जातक को सफलता, शक्ति और साहस मिलता है।

टिप्स

केला और काली मिर्च का जादुई मेल, पेट की हर समस्या जड़ से खत्म

फल और सब्जियां खाने से सेहत जबरदस्त बनती है। वैसे भी हमारे रसोई में मौजूद फल, सब्जियां, मसाले और मेवे में न्यूट्रिशन का खजाना होता है। इनके सेवन से ही शरीर को कई सारे पोषक तत्व मिलते हैं और एनर्जी भी मिलती है। अगर आप 1 केला और काली मिर्च का सेवन एक साथ करते हैं, तो ये दोनों ही शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। केला जहां गट हेल्थ को सुधारता है, शरीर को ताकत देता है और खून की कमी दूर करता है। काली मिर्च को आयुर्वेद में औषधि मानी गई है। तो इस लेख में हम आपको बताएंगे कि रोजाना एक केला के साथ काली मिर्च खाने से क्या होगा।

प्रतिदिन 1 केला के साथ काली मिर्च खाने क्या होगा

– केला में कई सारे न्यूट्रिशन पाए जाते हैं, जैसे कि पोटैशियम, फाइबर, विटामिन–बी6 और विटामिन–सी से भरपूर होते हैं केला। यह कब्ज को दूर करता है, शरीर को ताकत मिलती है, बीपी को कंट्रोल रखता है। गट हेल्थ भी बेहतर रहती है।
– केला खाने से खून की कमी दूर होती है और यह मूड को हैप्पी बनाने में भी मदद करता है।
– काली मिर्च का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट औ? एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

वकील यादव को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादेवगंज पुरब टोला निवासी नितीश यादव उर्फ गुदड़ा यादव को मुफस्सिल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी अनीश पांडेय ने बताया कि नितीश यादव के विरुद्ध थाने में आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज था और यह फरार चल रहा था गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए गिरफ्तार किया है पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया। वहीं दूसरी और मुफस्सिल पुलिससरकारी काम में बाधा उत्पन्न करने के मामले में वकील यादव शोभानपुर डेरा माठिया निवासी को गिरफ्तार किया है थाना प्रभारी ने बताया कि बीते वर्ष पहले एक जमीनी विवाद में मामले में वकील यादव ने विधि व्यवस्था को भंग करने की कोशिश किया था जिसके विरुद्ध थाना में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए वकील यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

कुपोषण मुक्त जागरूकता रथ का शुभारंभ उपायुक्त ने किया

साहिबगंज : समाहरणालय सभागार परिसर, साहिबगंज में कुपोषण मुक्त जागरूकता रथ का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त श्री हेमंत सती, परियोजना निदेशक आईटीडीए श्री संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता श्री गौतम भगत तथा आपूर्ति पदाधिकारी श्री झुनू कुमार मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रथ को रवाना किया।इस जागरूकता रथ का मुख्य उद्देश्य जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में कुपोषण के विरुद्ध व्यापक जनजागरूकता फैलाना है। रथ के माध्यम से लोगों को संतुलित आहार, स्वच्छता, टीकाकरण, स्तनपान, पोषण युक्त भोजन तथा बच्चों एवं माताओं की विशेष देखभाल के संबंध में जानकारी दी जाएगी। साथ ही, आंगनबाड़ी सेवाओं और सरकारी योजनाओं का भी प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लाभार्थी जागरूक होकर कुपोषण से मुक्ति पा सकें।उपायुक्त श्री हेमंत सती ने इस अवसर पर कहा कि कुपोषण उन्मूलन जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। और इसके लिए प्रशासन, समाज एवं समुदाय का सामूहिक सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह रथ गाँव-गाँव जाकर आमजन से संवाद स्थापित करेगा और कुपोषण के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए पोषण युक्त जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित करेगा।इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने भी लोगों से अपील की कि वे कुपोषण के खिलाफ इस जनजागरूकता अभियान में सक्रिय रूप से सहयोग करें और स्वस्थ समाज निर्माण में अपनी भूमिका निभाएँ।

मामले को लेकर स्पेशल ड्राइव मेडिसिन का आयोजन

साहिबगंज : झालसा के निदेर्शानुसार संजय कुमार उपाध्याय प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय साहिबगंज के मार्गदर्शन में 15 सितंबर से 19 सितंबर तक फैमिली कोर्ट साहिबगंज व राजमहल से संबंधित मामले को लेकर स्पेशल ड्राइव मेडिसिन का आयोजन किया गया।राजमहल एवं साहिबगंज फैमिली कोर्ट से संबंधित कुल 79 मामले को सुलह समझौता के लिए मेडिएशन सेंटर साहिबगंज रेफर किया गया।जहां अलग-अलग मेडिएटरों के द्वारा साहिबगंज कुटुंब न्यायालय से संबंधित 26 मामला एवं राजमहल कुटुंब न्यायालय से संबंधित 14 मामला का निपटारा किया गया।उक्त बातों की जानकारी कुटुंब न्यायालय साहिबगंज के पेशकार ओंकारनाथ मिश्रा ने दी है।

समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा करना मेरा लक्ष्य : बजरंगी

साहिबगंज : नगर क्षेत्र स्थित अयोध्या धाम में विगत शुक्रवार को भाजपा नेता बजरंगी प्रसाद यादव के द्वारा आयोजित निशुल्क नेत्र जांच शिविर में जिन-जिन लोगों को डॉक्टर ने जांचों प्रांत चश्मा लगाने की सलाह दी थी। उन लोगों को श्री यादव की तरफ से निशुल्क चश्मा दिया गया।कार्यक्रम का भाजपा नेता बजरंगी प्रसाद यादव साहिबगंज भाजपा के जिला अध्यक्ष उज्जवल मंडल कार्यक्रम प्रभारी राजेश यादव,नेत्र चिकित्सक डॉ० ए०.एन.चक्रवर्ती डॉ राजकुमार साह, दारा सिंह यादव,शत्रुघन यादव सहित कई गणमान्य लोगों ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया।बजरंगी प्रसाद यादव ने बताया कि इस निशुल्क नेत्र जांच शिविर में साहिबगंज के 872 लोगों को डॉक्टर ने चश्मा लगाने की सलाह दी थी उन सभी लोगों को मेरी तरफ से निशुल्क चश्मा वितरण किया गया। जिन-जिन लोगों को चश्मा मिला उनकी खुशी देखकर मुझे आत्मीय खुशी हुई। इन लोगों का आशीर्वाद ही मुझे समाजिक जीवन में हमेशा नया कुछ करने की प्रेरणा देता है।कार्यक्रम में कृष्ण कुमार शर्मा,देवन यादव,अजय मोदी,आदित्य ठाकुर,मनोज्ञ केसरी, अशोक यादव भुलन सिंह,मो०रिजवान, ललन सिंह,हिरेन ताती,पवन सिंह, सोमनाथ साह,रोहित यादव सहित आनेको लोग शामिल थे।

सेवा पखवाड़ा के तहत भाजयुमो ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

साहिबगंज/बरहरवा : भारतीय जनता पार्टी देश भर में सेवा पखवाड़ा 2025 के तहत कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करने का संकल्प लिए कार्य कर रहें हैं।इस निमित शुक्रवार को साहिबगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहरवा में भारतीय जनता युवा मोर्चा के बैनर तले सेवा पखवाड़ा के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से साहिबगंज भाजयुमों जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र मंडल व भाजपा जिला उपाध्यक्ष ललिता पासवान शामिल हुई। इस दौरान दर्जनों युवाओं ने रक्तदान कर रक्तदान महादान का परिचय दिया। वहीं रक्तदाताओं के लिए ओआरएस की घोल,मिठा,फल आदि की भी व्यवस्था की गई थी।इसमें सैकड़ों कार्यकताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।इस विशेष मौके पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के साहिबगंज जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र मंडल ने कहा सेवा पखवाड़ा केवल एक आयोजन नहीं,बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है।आगे उन्होंने कहा यह रक्तदान निश्चित रूप से किसी न किसी की जान बचाने के काम आयेगा। उन्होंने इस मौके पर प्रधानमंत्री के दीघार्यु की कामना किया।उन्होंने कहा रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं होता, क्योंकि हमारा एक बूंद खून किसी के जान बचाने के काम आता है।मौके पर तीनपहाड़ भाजयुमों मंडल अध्यक्ष चंदन कुमार,अरविंद पांडेय प्रेम शर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मी मौजूद थें।

प्रतिभा चयन प्रतियोगिता का आयोजन

दुमका : कमर दूधानी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, दुमका में शुक्रवार को विभागीय निदेशानुसार जिला स्तरीय खेल प्रतिभा चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस चयन प्रतियोगिता का आयोजन खररढर, आवासीय प्रशिक्षण केंद्र एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हेतु किया गया। इस प्रतियोगिता में आवासीय एवं खररढर हेतु 10 से 14 वर्ष आयु वर्ग तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हेतु 16 से 22 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों का चयन किया जाना है। आज लगभग 400 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। शेष खिलाड़ियों का चयन दिनांक 20.09.2025 को जिला खेल समन्वयक ललित झा की देखरेख में संपन्न किया जाएगा।

डीडीसी ने किया ग्रामीण क्षेत्र का दौरा

संवाददाता

दुमका : जिले के उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने शुक्रवार को गोपीकान्दर प्रखंड कार्यालय का भ्रमण किया । सर्वप्रथम उप विकास आयुक्त द्वारा प्रखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी, गोपीकान्दर एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा, प्रखड कार्यक्रम प्रबंधक, जे०एस०एल०पी०एस० के साथ बैठक की गई। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त के द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी गोपीकान्दर एवं सभी संबंधित पर्यवेक्षकों से मनरेगा, आवास एवं जे०एस०एल०पी०एस० के योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई एवं कई दिशा-निर्देश दिए गए।

जे०एस०एल०पी०एस० प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, जे०एस०एल०पी०एस० से समीक्षा के दौरान ईण्टीग्रेटेड फार्मिंग कलस्टर में लाईवलीहुड सपोर्ट सेंटर स्थापना के लिए भवन का निर्धारण तथा यंत्रों का प्रोक्योरमेंट जल्द करने हेतु निदेश दिया गया। आई०एफ०सी० अन्तर्गत रबी मौसम में खेती हेतु हल्दी, ओल, दलहन फसल करने का निदेश दिया गया। उन्नत कृषि हेतु संचालित योजना नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग के विषय में प्रगति की जानकारी ली।

मनरेगा बिरसा हरित ग्राम योजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत सभी योजनाओं में पौधा रोपण का कार्य पूर्ण करने का निदेश दिया गया। पौधा रोपण के पश्चात एच टेका लगाने तथा घेरान का कार्य पूर्ण करने का निदेश दिया गया।

प्रखंड कार्यालय के निरीक्षण के पश्चात उप-विकास आयुक्त के द्वारा क्षेत्र भ्रमण हेतु ग्राम पंचायत सुरजूडीह के विराजपुर ग्राम पहुंचे। ग्राम विराजपुर में एस०एच०जी० समूह के महिलाओं द्वारा किए गए कृषि कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम महिलाओं द्वारा उपजे बैंगन उप विकास आयुक्त को दिखाया गया। महिलाओं ने बैंगन की फसल समाप्त होने के पश्चात दलहन फसल (कुर्थी) लगाने के बारे में बताया। महोदय ने ग्राम विराजपुर में पानी की उपलब्धता के बारे में महिलाओं से जानकारी ली। महिलाओं ने बताया कि सिंचाई में मशीन नहीं होने के कारण कठिनाई उत्पन्न होती है। उप विकास आयुक्त ने कृषि विभाग अन्तर्गत पी०एम० कुसूम योजना के माध्यम से पोर्टेबल सोलर पंप से उक्त महिलाओं को लाभान्वित करने के संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी, गोपीकान्दर को निर्देशित किया गया। उप विकास आयुक्त द्वारा सभी महिलाओं को मुगीर्पालन से जुड़ने हेतु निदेशित किया गया।

ग्राम विराजपुर से उप-विकास आयुक्त के द्वारा क्षेत्र भ्रमण हेतु ग्राम पंचायत सुरजूडीह के कारीपहाड़ी ग्राम पहुंचे। वहां बिरसा हरित ग्राम योजना 2025-20 के तहत स्वीकृत आम बागवानी योजना के लाभुक आगस्टिन मुर्मू के योजना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान योजना में गड्ढा खुदाई का कार्य पूर्ण पाया गया तथा योजना में पौधा रोपण का कार्य प्रगति पर पाया गाया। उप विकास आयुक्त के द्वारा लाभुक तथा उपस्थित मजदूरों को पौधा लगाने के पश्चात एच टेका लगाने तथा योजना का घेरान का कार्य दो दिनों में पूर्ण करने का निदेश दिया गया। निरीक्षण के क्रम में कुछ आम के पौधे की स्थिति अच्छी गुणवत्ता में नहीं पाई गई। जिसपर उप विकास आयुक्त के द्वारा उक्त पौधों को संबंधित आपूर्तिकर्ता से समन्वय स्थापित कर बदलने का निर्देश दिया गया।

निरीक्षण के क्रम में उपस्थित पंचायत सचिव से पी०एम० जनमन आवास योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई। निरीक्षण के क्रम में महोदय द्वारा ग्राम कारीपहाड़ी में मध्य विद्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बच्चों की कम उपस्थिति पर उपस्थित शिक्षक से इस संबंध में वास्तविकता की जानकारी ली गई तथा बच्चों की उपस्थिति को बढ़ाने के लिए कई दिशा-निर्देश दिया गया। निरीक्षण के क्रम में महोदय के द्वारा उपस्थित बच्चों से बात की गई तथा अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के संबंध में जानकारी दी गई। बच्चों से वार्ता के दौरान महोदय के द्वारा संतोष व्यक्त किया गया।

निरीक्षण के क्रम विद्यालय भवन के समीप सोलर संचालित पानी टकी का जायजा लिया गया। जिसमें पानी टंकी बंद स्थिति में पाया गया। सोलर प्लेट नहीं पाया गया। महोदय द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी, गोपीकान्दर को उक्त पानी टंकी चालु अवस्था में करने हेतु संबंधित विभाग से समन्व्य स्थापित करने का निदेश दिया गया।

माटीकला विद्युत चाक वितरण से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेंगे शिल्पकार

संवाददाता

साहिबगंज : जिला उद्योग केन्द्र, साहिबगंज के प्रांगण में आज झारखण्ड माटीकला बोर्ड राँची एवं मुख्यमंत्री लघु व कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के बैनर तले माटीकला विद्युत चाक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक रमाकांत चतुवेर्दी ने 40 चयनित लाभुकों के बीच 90 प्रतिशत अनुदान पर अत्याधुनिक विद्युत चाक का वितरण किया।इस अवसर पर महाप्रबंधक रमाकांत ने कहा कि माटीकला योजना का मूल उद्देश्य परंपरागत माटी शिल्पकारों को आधुनिक तकनीकी साधन उपलब्ध कराकर उनकी उत्पादन क्षमता को सुदृढ़ करना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। सरकार की इस पहल से जिले के शिल्पकारों को स्वरोजगार के अधिक अवसर प्राप्त होंगे, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।सभी लाभुकों ने इस योजना के लिए जिला प्रशासन और उद्योग विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।जिला उद्यमी समन्वयक देवव्रत कुमार ने कहा कि माटीकला योजना न केवल परंपरागत कारीगरों को तकनीकी रूप से सशक्त बना रही है बल्कि उन्हें सम्मानजनक आजीविका का अवसर भी प्रदान कर रही है।विद्युत चाक के वितरण से हमारे शिल्पकार आधुनिक तकनीक से जुड़ेंगे, जिससे उनका परिश्रम कम होगा, उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और बाजार की मांग को बेहतर ढंग से पूरा कर सकेंगे। यह प्रयास जिले में स्वरोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।मौके पर जिला उद्यमी समन्वयक देवव्रत कुमार,सभी प्रखंड उद्यमी समन्वयक गौरी शंकर उदय कुमार कन्हैया कुमार मोहिबुर रहमान रश्मि कुमारी मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड, साहिबगंज के प्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में माटी शिल्पकार लाभुक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन गरिमामय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में किया गया। जिला उद्योग केन्द्र साहिबगंज के इस सराहनीय प्रयास से जिले के पारंपरिक माटीकला व्यवसाय को नई दिशा मिलने की संभावना है।जिससे स्थानीय कारीगरों की आजीविका सुदृढ़ होगी और साहिबगंज जिले के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

भारत स्काउट एवं गाइड का शिविर प्रारम्भ

दुमका : जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला आयुक्त भारत स्काउट एवं गाइड दुमका भूतनाथ रजवार के निदेर्शानुसार भारत स्काउट एवं गाइड दुमका द्वारा संचालित गाइड का तीन दिवसीय शिविर गुरुवार को उच्च विद्यालय कुमड़ाबाद में विधिवत रूप से प्रारम्भ होगया। शिविर के दूसरे दिन शुक्रवार को शिविर प्रधान सह गाइड प्रशिक्षक कुमारी अलका,विभा कुमारी एवं अनुराग नन्दन द्वारा गाइडों को स्काउट गाइड के जनक, स्काउट गाइड के इतिहास, नियम प्रतिज्ञा, सिद्धान्त, उदेश्य आदि के बारे में जानकारी देते हुए स्काउटिंग के विविध कौशलों जैसे विभिन्न प्रकार के गांठ,पयोनियरिंग प्रॉजेक्ट, प्राथमिक चिकित्सा, कैम्फायर, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि का प्रशिक्षण दिया गया।भारत स्काउट एवं गाइड के जिला संगठन आयुक्त अपरेश कुमार ने बताया कि इस गाइड शिविर में प्लस टू राजकीय बालिका उच्च विद्यालय दुमका, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय दुमका, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय जरमुंडी, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, सरैयाहाट, अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय कड़हलविल एवं उच्च विद्यालय कुमडाबाद की गाइड्स भाग ले रही हैं।जिला सचिव विजय कुमार दूबे ने बताया कि भारत स्काउट एवं गाइड का प्लेटफार्म बच्चों को प्रशिक्षण के माध्यम से कठिन समय मे भी जीवन जीने की कला सिखाते हुए एक आदर्श नागरिक बनने में सहयोग करता है। जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ रजवार, जिला कल्याण पदाधिकारी गौतम मोदी, जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष हेम्ब्रम, जिला खेल पदाधिकारी तूफान कुमार पोद्दार,वरीय उपसभापति दिवाकर महतो, मुख्य जिला आयुक्त हरिश्चंद्र चौधरी, उपसभापति डॉ0 अजय कुमार गुप्ता, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक डॉ0 दिलीप कुमार झा, सेवानिवृत्त शिक्षक शम्भू नाथ मिश्रा ने शिविर में भाग लेने वाली सभी गाइड्स को शुभकामनाएं व्यक्त की है। पूरे शिविर अवधि में उच्च विद्यालय कुमडाबाद के प्रधानाध्यापक रितेश मिश्रा, जिला सचिव विजय कुमार दूबे, जिला संगठन आयुक्त अपरेश कुमार,सेवानिवृत्त शिक्षक प्रदीप दत्ता,शिविर प्रधान कुमारी अलका, विभा कुमारी, सहायक स्काउट मास्टर अनुराग नन्दन,शिक्षक राजनारायण, सीनियर स्काउट गुलशन विश्वकर्मा,हरिमोहन, राजेश कुमार पाल, सीनियर गाइड कंचन मुर्मू, अनुप्रिया मराण्डी एवं उच्च विद्यालय कुमडाबाद के सभी शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी आमजनों की समस्याएं

संवाददाता

साहिबगंजःसमाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित जनता दरबार के दौरान जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती ने आमजनों की समस्याएं सुनी और उनके समाधान का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए हुए लोगों ने विभिन्न विभागों और योजनाओं से जुड़ी अपनी समस्याओं को उपायुक्त महोदय के समक्ष रखा।उपायुक्त ने एक-एक कर सभी शिकायतकताओं की बातें गंभीरता से सुनीं। जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों में मूलतः राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेंशन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, सड़क, बिजली, जलापूर्ति, रोजगार एवं अन्य समस्याओं से संबंधित मामले शामिल रहे। उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य आम जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है ताकि लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान हो सके। उपायुक्त महोदय ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक शिकायत की भौतिक जांच करें और यथाशीघ्र उसका निपटारा सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायतों पर कार्रवाई करने के उपरांत संबंधित विभाग प्रतिपुष्टि जिला प्रशासन को अवश्य दें, ताकि आवेदकों को संतोषजनक समाधान मिल सके।इस दौरान उपायुक्त ने अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देश दिया कि जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों की प्राथमिकता के आधार पर छंटाई कर उनका निवारण त्वरित गति से किया जाए। साथ ही, योजनाओं से संबंधित मामलों में यदि किसी पात्र लाभुक को वंचित किया गया है, तो उसे तुरंत लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रमुख उद्देश्य यही है कि जिले के अंतिम छोर तक बैठा व्यक्ति भी योजनाओं का लाभ प्राप्त करे।गौरतलब है कि जनता दरबार हर सप्ताह मंगलवार और शुक्रवार को समाहरणालय परिसर में आयोजित किया जाता है। उपायुक्त महोदय ने आमजनों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए न केवल आवेदन करें बल्कि अपनी समस्या से जुड़े सभी जरूरी दस्तावेजों को भी साथ लेकर आएं ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।उपायुक्त हेमंत सती ने अंत में कहा कि प्रशासन जनता के सहयोग से ही मजबूत और प्रभावी बनता है। जनता दरबार के माध्यम से हमें जमीनी स्तर की वास्तविक समस्याओं की जानकारी मिलती है और इसके समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिले के प्रत्येक नागरिक की समस्याओं का समाधान पारदर्शिता और प्राथमिकता के साथ किया जाएगा।

गुरुजी ने कमजोर वर्ग को बनाया सशक्त : उपयुक्त

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मिले भारत रत्न हो सम्मानित

संवाददाता

साहिबगंज : जिला मुख्यालय स्थित दीनदयाल उपाध्याय नगर भवन में शुक्रवार को ईस्टन झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के बैनर तले जामुन के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन की श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई लोगों ने गुरु जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और उनकी आत्मा की शांति को लेकर दो मिनट के लिए मौन रखा। इस संदर्भ में आए हुए अतिथि गण के द्वारा बारी-बारी से गुरुजी के संघर्ष के बारे में लोगों को संबोधित किया जबकि उपयुक्त हेमंत सती ने कहा की आज चैंबर ऑफ कॉमर्स के तत्वाधान में आयोजित इस श्रद्धांजलि सभा में यहां पर उपस्थित सभी मंच आसींद और यहां उपस्थित सभी लोग सबसे पहले गुरु जी के विषय में कुछ कहूं उससे पूर्व में चेंबर ऑफ कॉमर्स साहिबगंज को धन्यवाद देता हूं। कि उन्होंने आधुनिक गुरु जी के लिए इस श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया और उससे भी बढ़कर हम लोगों को यहां पर आमंत्रित करके झारखंड के जननायक श्री शिबू सोरेन जी के विषय में दो शब्द कहने के लिए यहां पर आमंत्रित किया श्री शिबू सोरेन जी के बारे में लगभग सभी लोगों को पता है। उनके जीवन के विषय में सभी लोगों को पता है कि वह एक नाम मात्र नहीं थे। बल्कि वह उन दलितों पिछड़ों और आदिवासियों की एक सशक्त आवाज थे। और उन्होंने संसद में उसे आवाज को इतनी जोर से उठाया कि झारखंड राज्य का सृजन करके दिखाएंऔर वह मात्र एक राजनीतिक नहीं थे। राजनीतिक होने के साथ-साथ एक समाज सुधारक भी थे। एक पथ प्रदर्शक भी थे और उनके बताए हुए जो मार्ग है उन मार्गों पर अगर हम लोग आज भी चलने का प्रयास करें तो वह दिन दूर नहीं जब सभी सामाजिक कुरीतियों और जितने भी हमारे अंदर विकार हैं वह सभी विकार दूर होंगे उनके लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि वही होगी कि उनके बताए हुए जितने मूल्य है उनके बताए हुए जितने रास्ते हैं उनके बताए हुए जो सिद्धांत है उन सिद्धांतों पर चले उनका अनुसरण करें ताकि उनके जो उनकी कल्पना थी जो उनके उसूल थे उनकी कल्पनाओं पर हम लोग खड़ा उतर पाए एक बार पुणे में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और ईश्वर से कामना करता हूं कि वह जहां भी होंगे वहां भी उन्हें शासको की और गरीबों की आवाज बुलंद करके निकलेंगे।इस कार्यक्रम में आए हुए अतिथि गण में बोरीयो विधायक धनंजय सोरेन लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू,उपयुक्त हेमंत सती, जिला पुलिस कप्तान अमित कुमार सिंह, झामुमो केंद्रीय प्रवक्ता सह सचिव पंकज मिश्रा, जिप अध्यक्ष मोनिका किस्कू, सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू, राजमहल विधायक प्रतिनिधि मारुफ, भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष उज्जवल मंडल, झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह , राजमहल कॉलेज के प्राचार्य डॉ रंजीत कुमार सिंह, चंदेश्वर सिन्हा, झामुमो नेता सुरेंद्र यादव सहित विभिन्न पार्टियों के नेता के साथ सैकड़ो की संख्या में लोग पहुंचे थे।

सेलेब्स ने पैसे देकर खरीदे फॉलोवर्स

अमीषा पटेल ने बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में बताया कि कई लोग ऐसे हैं, जो उन्हें पसंद नहीं करते क्योंकि वह उनकी चापलूसी नहीं करती हैं। साथ ही शराब और सिगरेट नहीं पीती हैं। उन्होंने बताया कि कई सेलेब्स के सोशल मीडिया पर फॉलोवर्स पैसे देकर खरीदे गए हैं।

अमीषा पटेल का इनसाइडर्स पर गुस्सा फूटा। एक्ट्रेस अमीषा पटेल बेबाकी से अपनी बात रखती हैं। वह जिस फिल्म में काम करती हैं, उसके भी डायरेक्टर-प्रोड्यूसर की गलती बताने में पीछे नहीं हटतीं। उन्होंने एक इंटरव्यू में बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में अपनी राय रखी हैं। कहो ना... प्यार है की सफलता के बावजूद, उन्हें उस तरह का फेम नहीं मिला, जिसकी वह हकदार रहीं। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में कई ऐसे लोग हैं, जो उन्हें पसंद नहीं करते हैं।

एक्ट्रेस ने आगे बताया कि 90 फीसदी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया फॉलोवर्स खरीदे हुए होते हैं। एजेंसियां लोगों से कॉन्टैक्ट करती है और एक मोटा पैसा मांगती है। साथ ही उसके बदले वह उन्हें लाखों फॉलोवर्स देने का वादा करती है।

हम सभी से उस एजेंसी ने कॉन्टैक्ट किया है। कई सेलिब्रिटी सोशल मीडिया अकाउंट्स के फॉलोवर्स का एक बड़ा हिस्सा पेड है। ये रियल फॉलोवर्स नहीं हैं। मुझसे कई बार पैसे मांगे गए लेकिन हमेशा मेंने मना किया। मुझे अपने असली फैंस पसंद हैं। मैं नहीं चाहती कि लोग मुझे इसलिए फॉलो करें क्योंकि मैंने इसके लिए पैसे दिए हैं। अमीषा पटेल ने बातचीत में कहा, दर्शकों का प्यार मैटर करता है। चाहे आप किसी भी कैंप का हिस्सा हों। हां क्योंकि मैं किसी खास सर्कल में फिट नहीं बैठती और न शराब पीती और न स्मोक करती हूं और न ही काम के लिए चापलूसी करती हूं, जो भी कमाया है वो अपनी काबिलियत के आधार पर ही हासिल किया है। इसके कारण कुछ लोग मुझे पसंद नहीं करते हैं। मैं किसी के आगे पीछे नहीं घूमती।

अमीषा का अकाउंट है रियल

एक्ट्रेस ने बताया, मेरा इंस्टा और ट्विटर अकाउंट रियल है। मैं कभी कोई फोटोशूट नहीं पोस्ट करती। अपनी फोटो जैसी होती है, वैसी ही अपलोड करी हूं। मेरी तस्वीरों में परफेक्ट कंपोजिशन, कैप्शन और फॉन्ट सही नहीं होता। मैं चाहती हूं कि मैं जैसी हूं, वैसी ही दिखूं।

खुद को बताया आउटसाइडर

अमीषा पटेल ने आगे कहा कि खुद को आउटसाइडर कहा और बताया कि उनके लिए कितना चैलेंजिंग रहा, आपके लिए इंडस्ट्री में तब और मुश्किल होती है, जब यहां से आपका कोई बॉयफ्रेंड या फिर पति न हो। बिना खुद को पावर कपल के रूप में पेश करने पर भी मुश्किल हो जाता है। दूसरों से कम सपोर्ट मिलता है। उनके पास भी आपको सपोर्ट करने के लिए कोई खास वजह नहीं है क्योंकि आप एक आउटसाइडर हैं।

लोगों को लगता है कि ऐक्टर्स की लाइफ में ग्लैमर है, फेम है तो उन्हें कोई समस्या नहीं

श्रिया पिलगांवकर, एक सशक्त ऐक्ट्रस होने के साथ-साथ कथक डांसर और लेखिका भी हैं, जो मानती हैं कि महिलाओं को अपनी आवाज उठाने का हक है। श्रिया ने कहा- लोगों को लगता है कि ऐक्टर्स की लाइफ में ग्लैमर है, फेम है तो उन्हें कोई समस्या नहीं। हमारा नाइन टु फाइव जॉब नहीं होता है। कई महीने तक लगातार काम होगा।

फिल्में डायरेक्ट और प्रोड्यूस करनी हैं

श्रिया पिलगांवकर ना केवल एक सशक्त कलाकारा हैं बल्कि एक प्रशिक्षित कथक नृत्यांगना, निर्देशक और उभरती हुई लेखिका भी हैं। उनका मानना है कि महिलाओं को स्क्रीन और सेट दोनों जगह अपनी आवाज बुलंद करने का पूरा हक है। अभिनय के अलावा वे निर्देशन भी पहले कर चुकी हैं और अब लेखन की ओर बढ़ रही हैं।

उनकी यह बातचीत ना केवल इंडस्ट्री के पीछे की असलियत उजागर करती है बल्कि यह भी दिखाती है कि कैसे एक कलाकार लगातार खुद को खोजता रहता है, कभी कथक के मंच पर, कभी क्राइम ड्रामा की वर्दी में और कभी निर्देशक की कुर्सी पर। बीते दिनों अपनी वेब सीरीज 'छल कपट' के लिए लखनऊ आई श्रिया ने लखनऊ के साथ अपने पुराने जुड़ाव को याद करते हुए अपनी रचनात्मक यात्रा और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बातचीत की।

दबी भावनाएं फूटती हैं तो सारी भड़ास निकल जाती

हमारी सीरीज ह्यूमन रिलेशनशिप की कहानी है। मर्डर हुआ है दोस्तों के बीच। मर्डर जिसका हुआ है, वो इंफ्लुएंसर है। बाकी सब दोस्त हैं। हम यह दिखाना चाहते हैं कि कई बार गहरे रिश्तों में भी बहुत अनकही चीजें होती हैं। कुछ दबी हुई भावनाएं होती हैं। वो एक बार जब फूटती हैं तो सारी भड़ास निकल जाती है। इसमें दोस्ती की कहानी है। इसमें घरेलू हिंसा की भी थीम है। सबसे मजेदार मुझे इसमें अपना देविका राठौड़ का किरदार लगता है क्योंकि वो एक टिपिकल कॉप नहीं है। वो जिस तरह से पब्लिक प्लेस या अपने प्रोफेशन में स्ट्रॉन्ग है, ठीक उसके विपरीत पर्सनल लाइफ में उसने थोड़े इश्यूज फेस किए हैं। उसका पति हमेशा असुरक्षित रहता है। मुझे यह देखने को मिलता है कि जो महिलाएं मजबूत-आत्मनिर्भर होती हैं, ज्यादातर उनके पार्टनर उतने सपोर्टिव नहीं होते हैं। ये भी एक बारीक सी चीज है, जिसमें हमने एक्सप्लोर करने की कोशिश की है।

ऐक्टर को इमोशनली बहुत स्ट्रॉन्ग रहना पड़ता है

आप जब एक ऐक्टर की जिंदगी जीते हो तो आपको इमोशनली बहुत स्ट्रॉन्ग रहना पड़ता है। दरअसल, लोगों को लगता है कि ऐक्टर्स की लाइफ में ग्लैमर है, फेम है तो उन्हें कोई समस्या नहीं। हमारा नाइन टु फाइव जॉब नहीं होता है। कई महीने तक लगातार काम होगा। फिर कहो बहुत टाइम हो जाए काम ही ना मिले। जब कुछ नहीं हो रहा होता है, तब आप अपनी लाइफ कैसे जीते हो, यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह मैंने अपने पापा से सीखा है क्योंकि वह खुद एक ऐक्टर-डायरेक्टर-प्रोड्यूसर हैं। कभी-कभी सिर्फ पैसिवली काम के लिए ना रुकना, हमेशा सही रास्ता नहीं होता है। आप उस रास्ते को बनाने की कोशिश कीजिए। दोस्तों के साथ मिलकर उसे बनाइए। इतने अच्छे-अच्छे राइटर्स हैं, जिन्हें मौका नहीं मिलता। मैं अभी बहुत इंडिपेंडेंट राइटर्स के साथ मिलकर काम करने की कोशिश कर रही हूं। मुझे एक रोमांटिक फिल्म करनी है। अगर सामने से वो नहीं आ रही तो कोशिश करूंगी कि मैं खुद के लिए उसे लिखूं। कोशिश आगे पता नहीं क्या रंग ले आए।

विराट कोहली की बायोपिक नहीं बनाएंगे अनुराग कश्यप बताई बड़ी वजह

अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म निशानची के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में विराट कोहली और आलिया भट्ट के बारे में अपने विचार साझा किए हैं। उन्होंने सिनेमा को लेकर अपनी पसंद पर भी बात की है।

विराट कोहली की बायोपिक नहीं बनाएंगे अनुराग कश्यप से पूछा गया कि क्या वह भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली की जिंदगी पर आधारित फिल्म बनाना पसंद करेंगे। इस पर कश्यप ने ना में जवाब दिया। फिल्मीज्ञान से बातचीत में अनुराग कश्यप ने कहा मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा करूंगा, क्योंकि वह पहले से ही बहुत लोगों के लिए हीरो हैं। कई बच्चों के हीरो हैं। अगर मैं कोई बायोपिक बनाऊंगा तो मैं कोई कठिन विषय चुनूंगा।

विराट कोहली की तारीफ की

अनुराग कश्यप ने विराट कोहली के बारे में कहा वह बहुत खूबसूरत इंसान हैं। मैं उन्हें बहुत अच्छी तरीके से जानता हूं। वह बहुत प्रमाणिक इंसान भी हैं। वह बहुत भावुक हैं। वह अविश्वसनीय इंसान हैं।

आलिया भट्ट की तारीफ की

निर्देशक ने आलिया भट्ट की इसलिए तारीफ की कि वह अपनी शर्तों पर जीती हैं। बॉलीवुड में महिलाओं को शादी के बाद या मां बनने के बाद अलग तरह से देखा जाता है। उन्होंने कहा उन्होंने (आलिया भट्ट) इंडस्ट्री पर इतने वर्षों से जो कर्ज था उसके बारे में कहा भाड़ में जाए। क्योंकि वह आगे बढ़ गईं। वह जिंदगी को उस तरह से जीती हैं जिस तरह से वह चाहती हैं। वह अभिनय करती हैं। उनकी वजह से कई लोगों को साहस मिला है। उन्होंने कई धारणाओं को तोड़ा है। वह बेहतरीन अदाकारा हैं। मैं उन्हें इसके लिए सलाम करता हूं।

निशानची के बारे में

अनुराग कश्यप अपनी अपकमिंग फिल्म निशानची को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म की कहानी 2000 के दशक की है। फिल्म से बाल ठाकरे के पोते ऐश्वर्या ठाकरे डेब्यू कर रहे हैं। वह फिल्म में डबल रोल में नजर आएंगे। निशानची 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रलीज होगी।

निया शर्मा ने किए इंडस्ट्री में 15 साल पूरे

टीवी इंडस्ट्री की चमकती सितारा निया शर्मा ने अपने अभिनय करियर के 15 साल पूरे कर लिए हैं। अपने बिंदास और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर निया ने इस खास मौके को धूमधाम से मनाया और सोशल मीडिया पर अपनी जर्नी की शानदार झलकियां साझा कीं।

निया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कई वीडियो और तस्वीरें पोस्ट कीं, जो उनकी 15 साल की मेहनत और सफलता को दर्शाती हैं। पहली वीडियो में उनकी करियर की शुरुआत से लेकर अब तक की यात्रा दिखाई गई है, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 15 साल पूरे! दूसरी वीडियो उनके किसी फैन ने लगाई थी, जिसको निया ने रिपोस्ट किया। वीडियो में उनके सीरियल्स, म्यूजिक वीडियो और अवॉर्ड शो के खास पल शामिल हैं। तीसरी पोस्ट में निया एक खूबसूरत केक काटती नजर आईं, जिस पर उनकी तस्वीर छपी थी। एक अन्य वीडियो में निया ने मजाकिया अंदाज में कहा, ये केक इतना प्यारा है कि मेरा मन इसे काटने को नहीं कर रहा! निया ने अपने करियर की शुरुआत 2010 में स्टार प्लस के धारावाहिक काली – एक अग्निपरिक्षा से की थी, जिसमें उन्होंने अनु का किरदार निभाया। इसके बाद वह एक हजारों में मेरी बहना है में मानवी चौधरी के किरदार में नजर आई थीं, जिसने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया था। इसके बाद निया ने जमाई राजा में रोशनी पटेल और इश्क में मरजावां और नागिन 4 में बृंदा पारेख जैसे किरदारों से दर्शकों का दिल जीता। अभिनय के साथ-साथ निया ने रियलिटी शो में भी अपनी प्रतिभा दिखाई। वह खतरों के खिलाड़ी 14 और झलक दिखला जा 10 का हिस्सा रह चुकी हैं। निया हाल ही में लाफ्टर शेफ्स – अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, रीम शेख, सुदेश लहरी, एल्विश यादव, रुबीना दिलैक, अली गोनी और कश्मीरा शाह जैसे सितारे शामिल थे।

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025: लाइल्स ने की उसैन बोल्ट की बराबरी, लगातार चौथी बार जीता 200 मीटर खिताब

एजेंसी

नई दिल्ली : टोक्यो में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अमेरिकी धावक नोआ लाइल्स ने शुक्रवार को इतिहास रच दिया। उन्होंने 200 मीटर स्पर्धा में शानदार जीत दर्ज करते हुए उसैन बोल्ट के लगातार चार खिताब जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। लाइल्स ने अपना पसंदीदा इवेंट माने जाने वाले 200 मीटर में 19.52 सेकंड का समय निकाला। इससे पहले वह 100 मीटर में कांस्य पदक जीत चुके थे। बोल्ट ने 2009 से 2015 के बीच लगातार चार 200 मीटर खिताब जीते थे और कुल 11 विश्व स्वर्ण तथा आठ ओलंपिक स्वर्ण अपने नाम किए थे। इस फाइनल में लाइल्स के हमवतन केनी बेडनार्क ने 19.58 सेकंड में

दौड़ पूरी कर रजत पदक जीता, जबकि जमैका के ब्रायन लेवेल ने 19.64 सेकंड के साथ कांस्य पदक हासिल किया। बोत्सवाना के ओलंपिक चैंपियन लेट्सिले टेबोगो मात्र 0.01 सेकंड से पोडियम से चूककर चौथे स्थान पर रहे। लाइल्स सेमीफाइनल में भी शानदार रहे थे, जहां उन्होंने 19.51 सेकंड के साथ चैंपियनशिप इतिहास का सबसे तेज प्रदर्शन किया था। फाइनल में शुरूआती झटके के बावजूद उन्होंने आखिरी 100 मीटर में अपनी जबरदस्त गति का प्रदर्शन करते हुए चौथे से पहले स्थान तक का सफर तय किया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने अर्शदीप सिंह

दुबई : एशिया कप 2025 में शुक्रवार को ओमान के खिलाफ मुकाबले में अर्शदीप सिंह ने बड़ा कीर्तिमान अपने नाम किया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप भारत के पहले ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 विकेट पूरे किए। यह उपलब्धि उन्होंने मैच के 20वें ओवर में विनायक शुक्ला को पवेलियन भेजकर हासिल की। अर्शदीप ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ साउथैम्पटन में भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और अपने पहले ही मैच में 2/18 के आंकड़े दर्ज किए थे। इस मैच से पहले अर्शदीप ने भारत के लिए 63 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 99 विकेट चटकाए थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अमेरिका के खिलाफ 4/9 रहा है। इसी साल जनवरी में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में उन्होंने बेन डकेट और फिल सॉल्ट को आउट कर भारत का सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। गौरतलब है कि अर्शदीप ने एशिया कप में शुक्रवार के मैच से पहले कभी भारत का प्रतिनिधित्व नहीं किया था। टीम इंडिया ने अब तक जसप्रीत बुमराह को ही एकमात्र प्रमुख तेज गेंदबाज के तौर पर खिलाया था।

भारत के लिए सर्वाधिक टी20अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले गेंदबाज

अर्शदीप सिंह झ 100 विकेट (64 मैच)*
युजवेंद्र चहल झ 96 विकेट (80 मैच)
हार्दिक पांड्या झ 95 विकेट (116 मैच)
जसप्रीत बुमराह झ 92 विकेट (72 मैच)
भुवनेश्वर कुमार झ 90 विकेट (87 मैच)

दुर्गा पूजा को लेकर सख्त सुरक्षा इंतजाम ऐप लॉन्च करेगी कोलकाता पुलिस

एजेंसी

कोलकाता : रविवार से देवीपक्ष यानी महालया की शुरूआत हो जाएगी। पूरे राज्य में देवी दुर्गा की आराधना शुरू हो जाएगी। इसे देखते हुए पश्चिम बंगाल पुलिस और कोलकाता पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा ने कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि महालया के दिन गंगा घाटों पर सुचारू रूप से तर्पण हो सके, इसके लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। महालया की सुबह से ही कोलकाता सहित राज्य के विभिन्न जिलों के घाटों पर पुलिस बल तैनात रहेगा। दुर्गा पूजा से लेकर कार्निवाल और लक्ष्मी पूजा विसर्जन तक पूरे राज्य में अतिरिक्त सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। पुलिस

सूत्रों के अनुसार, प्रत्येक ज़िले में लगभग 10झ्र15 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा होमगार्ड और एनसीसी के जवान भी ड्यूटी पर रहेंगे। कोलकाता पुलिस कमिश्नर मनोज वर्मा ने कहा है कि दुर्गा पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कोलकाता पुलिस ने एक विशेष मोबाइल ऐप तैयार किया है, जिसे जल्द ही लॉन्च किया जाएगा। इस ऐप से श्रद्धालुओं को पूजा मंडप तक पहुंचने का मार्ग, आसपास के अन्य पंडालों की जानकारी, आपातकालीन संपर्क और हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध होंगे।

राज्य पुलिस ने स्पष्ट किया है कि चार और पांच अक्टूबर को विभिन्न ज़िलों में आयोजित होने वाले पूजा कार्निवाल में किसी भी अप्रिय घटना या दुर्घटना को रोकने के लिए विशेष निगरानी रखी जाएगी। भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि महिलाएं, बच्चे और वरिष्ठ नागरिक किसी भी अपराध का शिकार न हों।

पंडालों के बीच बाढ़ का खतरा : पूजा से पहले डीवीसी ने छोड़ा पानी, पश्चिम बंगाल सरकार नाराज

कोलकाता : दुर्गा पूजा से ठीक पहले एक बार फिर पश्चिम बंगाल में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। शुक्रवार को दामोदर वैली रेजर्वॉयर रेगुलेशन कमिटी (डीवीवीआरसी) के निर्देश पर दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) ने माईथन और पनचेत जलाशय से कुल 49 हजार? 451 क्यूसेक पानी छोड़ा, जिससे राज्य में आपदा की आशंका बढ़ गई है। राज्य के सिंचाई मंत्री मानस भुइयां ने इस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा, ह्लपूजा के समय पर इस तरह पानी छोड़कर बंगाल को संकट में डालना चाह रहा है डीवीसी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कई बार आपत्ति जताई है, लेकिन उनकी बातों को नजरअंदाज किया जा रहा है। झारखंड के तेनुघाट बांध से भी भारी बारिश के कारण पानी छोड़ा गया है, जो धीरे-धीरे पनचेत की ओर बढ़ रहा है। डीवीसी अधिकारियों का कहना है कि शुक्रवार को माईथन से 24 हजार और पनचेत से 26 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। माईथन बांध में जलस्तर 481.63 फीट और पनचेत में 410.01 फीट तक पहुंच चुका है, जो खतरनाक माने जाते हैं। डीवीसी ने स्पष्ट किया कि पानी छोड़ने की सूचना हर बार की तरह इस बार भी पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों को दी गई है। डीवीवीआरसी के सदस्य सचिव संजीव कुमार ने कहा, ह्लहमारे पास जो मौसम विभाग की जानकारी है, उसके अनुसार महालया के दिन बारिश होगी और पूजा के समय भी निम्नचाप के कारण भारी वर्षा की आशंका है। इसीलिए स्थिति को ध्यान में रखकर ही जल छोड़ने का निर्णय लिया गया। पिछले वर्ष भी 17 और 18 सितम्बर को डीवीसी ने ढाई लाख क्यूसेक पानी छोड़ा था, जिससे बंगाल के कई इलाके जलमग्न हो गए थे।

पूर्व प्रमुख का खुलासा, शिक्षा मंत्री बनने से पहले ही स्कूल नियुक्ति घोटाले में सक्रिय थे पार्थ चटर्जी

एजेंसी

कोलकाता : बहुचर्चित शिक्षक नियुक्ति घोटाले में एक बड़ा खुलासा सामने आया है। पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) के पूर्व अध्यक्ष चित्तरंजन मंडल ने अपने बयान में सीबीआई को बताया है कि तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी ने शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी संभालने से पहले ही अनियमित नियुक्तियों पर दबाव डालना शुरू कर दिया था। मंडल का बयान सीबीआई की विशेष कोर्ट में भी पेश किया गया है। उसके मुताबिक वर्ष 2011 से 2013 के बीच वह आयोग के अध्यक्ष रहे। उस समय पार्थ चटर्जी उद्योग और वाणिज्य विभाग संभाल रहे थे, जबकि शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी वर्तमान मंत्री ब्रात्य बसु के पास थी। मंडल के अनुसार, बसु ने कभी भी गैरकानूनी नियुक्तियों का दबाव नहीं डाला, लेकिन चटर्जी और तत्कालीन तृणमूल महासचिव व राज्यसभा सदस्य मुकुल राय की ओर से लगातार दबाव बनाया जा रहा था। इसी कारण उन्होंने चार साल का कार्यकाल पूरा करने से पहले ही दो वर्ष छह महीने में पद छोड़ने का निर्णय लिया। गवाही के दौरान बचाव पक्ष के वकील ने मंडल से यह भी पूछा कि क्या वह किसी राजनीतिक दल की चुनावी घोषणा-पत्र समिति से जुड़े रहे हैं। जवाब में मंडल ने स्वीकार किया कि वर्ष 2019 के आम चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा ज्वाइन किया और 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए घोषणा-पत्र समिति के सदस्य भी बने। हालांकि, उन्होंने यह साफ किया कि नियुक्ति घोटाले से संबंधित बयान उन्होंने भाजपा में रहते हुए नहीं दिया, और उन पर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं था। इस मामले में गवाहों के बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शनिवार और सोमवार को भी जारी रहेगी। इसके बाद अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलें और प्रति-दलीलें अदालत में शुरू होंगी।

शिमला : आधी रात को एटीएम लूटने की कोशिश, सीसीटीवी में कैद हुआ बदमाश, जांच में जुटी पुलिस

शिमला : लूट के मकसद से बदमाश आधी रात को एटीएम के कैबिन में घुसा और एटीएम मशीन को तोड़ने का प्रयास किया। हालांकि आरोपी मशीन तोड़ने में सफल नहीं हो पाया, लेकिन उसने एटीएम को नुकसान जरूर पहुंचाया। इस दौरान पूरे घटनाक्रम की तस्वीरें और गतिविधियां एटीएम कैबिन में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई हैं। घटना की जानकारी बैंक के शाखा प्रबन्धक को मिली और उन्होंने अज्ञात शख्स के खिलाफ पुलिस में केस दर्ज करवाया। पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है। मामला शिमला जिला के चौपाल थाना क्षेत्र में सामने आया है।
मामले के अनुसार 18 सितंबर को चोपाल बाजार में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी की नीयत से एसबीआई की एटीएम मशीन तोड़ने का प्रयास किया गया। घटना रात करीब एक बजे की है। घटना की जानकारी शाखा प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) चोपाल नथु राम जस्टा को मिली। उन्होंने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी और थाना चौपाल में लिखित शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत में शाखा प्रबंधक ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने रात्रि लगभग 01:00 बजे एटीएम मशीन को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन चोरी की वारदात को अंजाम देने में सफल नहीं हो सका।

प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के चार बड़े नेताओं के खिलाफ लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

एजेंसी

पटना : जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के चार बड़े नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के नए खुलासे किए हैं। उन्होंने एक-एक करके उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री मंगल पांडेय, मंत्री अशोक चौधरी और भाजपा सांसद संजय जायसवाल को भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों में शामिल होने का तथ्यों के साथ खुलासा किया। प्रशांत किशोर ने सबसे पहले मंत्री मंगल पांडेय के बारे में बताया कि उनकी पत्नी उर्मिला पांडेय के पंजाब नेशनल बैंक के अकाउंट नंबर 1499000141819 में साल 2019 और 2020 में दो करोड़ 12 लाख रुपया जमा हुआ है। इसका कोई प्रमाण नहीं है कि यह रुपया कहां से आया? मंगल पांडेय ने कहा था कि उन्होंने दिल्ली में फ्लैट खरीदने के लिए अपने पिताजी से 25 लाख का कर्ज लिया था। हमारा सवाल है कि फिर आपकी पत्नी के अकाउंट में यह रकम कैसे आ गई? कहीं से आई भी तो आपने इसे घोषित क्यों नहीं किया? उन्होंने

कहा कि मंगल पांडे अगर इसका जवाब नहीं देते हैं तो हम बतायेंगे कि किस किस अकाउंट से यह रुपये ट्रांसफर किए गए हैं। प्रशांत किशोर ने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को घेरते हुए उन्हें नाम बदलने का विशेषज्ञ बताया। कहा कि इनका नाम राकेश कुमार था जो बाद में राकेश कुमार उर्फ सम्राट चौधरी है लेकिन इनका पहला नाम सम्राट कुमार मौर्य है। साल 1998 में कांग्रेस नेता सदानंद सिंह की बम मारकर हत्या करने का आरोप है। इनको नाबालिग बताकर छह महीना में जेल से निकाला गया। आगे उन्होंने कहा कि जब यह बिना विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य बने मंत्री बने, तब इन पर कम उम्र होने का आरोप लगाकर बर्खास्त किया गया। उस केस के आवेदन में सुप्रीम कोर्ट में लिखा गया कि इन्होंने माध्यमिक की परीक्षा सम्राट कुमार मौर्य के नाम से दिया। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने बताया कि सम्राट कुमार मौर्य को माध्यमिक परीक्षा में 234 नंबर आया था और ये फेल हो गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने 1998 में इनकी उम्र का निर्धारण किया। 2010 में अपने हलफनामे में उन्होंने खुद को सातवीं पास बताया है। मेरा सवाल है कि राज्य के उपमुख्यमंत्री बतायें कि किस साल में मैट्रिक पास किए हैं? इनकी डिग्री फर्जी होने का आरोप है। यह आदमी बिना माध्यमिक परीक्षा पास किए डी. लिट. कर लिए क्या? सम्राट कुमार मौर्य उर्फ राकेश कुमार उर्फ सम्राट चौधरी मर्डर के इल्जाम में जेल काटकर आए हैं।

प्रयागराज में मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में कार्य करने को 52 लोग ले रहे प्रशिक्षण

खेती और किसानों की सहायक है मधुमक्खियां

एजेंसी

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश की योगी सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति और कृषि कार्य को बढ़ावा देने के साथ ही रोजगारपरक योजनाओं पर जोर दे रही है। अभियान के तहत मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए तीन माह का निःशुल्क प्रशिक्षण करा रही है। प्रयागराज में 16 सितम्बर से शुरू हुए मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण में 52 अभ्यर्थी हैं। यह जानकारी शनिवार को मुख्य उद्यान अधीक्षक जगदीश प्रसाद ने दी। उउन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में 13 महिलाएं और 39 पुरुष तीन माह (90) दिन का प्रशिक्षण चन्द्रशेखर आजाद पार्क

क्षेत्र में स्थित मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षण ले रहे हैं। यह पूरा प्रशिक्षण मौन विशेषज्ञ सुरेश कुमार करा रहे हैं। उद्यान अधिकारी एवं मौन विशेषज्ञ सुरेश कुमार ने बताया कि मधुमक्खी पालन अनुपूरक कृषि उद्यम के रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मधुमक्खियाँ प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से किसानों के दैनिक जीवन से लेकर उनकी आर्थिक आय बढ़ोत्तरी में सहायक हैं। मधुमक्खियों से शहद उत्पादन के साथ-साथ फसलों में पर-परागण से पौधों की जीवितता एवं उत्पादन में वृद्धि होती है तथा पर्यावरण संतुलन में भी इनका महत्वपूर्ण योगदान है। किसानों की आय में वृद्धि के लिए कृषि के साथ-साथ अन्य ऐसे अनुपूरक व्यवसाय अपनाये जाने की आवश्यकता है, जिसमें कम भूमि एवं कम पूंजी की जरूरत हो। मधुमक्खी पालन को अनुपूरक कृषि उद्यम के रूप में अपनाकर कम पूंजी व कम समय में अधिक आय प्राप्त की जा सकती है। मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित एवं बढ़ावा देने के उद्देश्य से वैज्ञानिक ढंग से मौनपालन किये जाने का प्रशिक्षण दे रहा है। यह प्रशिक्षण 90 दिन तक होगा। यह प्रशिक्षण 15 दिसम्बर को समाप्त होगा।

रायपुरः 32 दिनों से जारी एनएचएम कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त

रायपुर : सरकार की सख्ती के बाद शुक्रवार देर रात 32 दिनों से जारी एनएचएम कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त हो गई। शासन की आंदोलनकारियों कर्मचारियों की बर्खास्तगी की आखिरी चेतावनी के बाद देर शाम तक सभी जिलों में एनएचएम कर्मियों ने अपनी हडताल समाप्त कर ज्वाइनिंग देनी शुरू कर दी है । हड़ताल समाप्त होने के बाद आज शनिवार से एक बार फिर ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था पटरी पर लौट आएगी।स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जानकारी दी है कि सरकार ने कर्मचारियों की 10 सूत्रीय मांगों में से 4 मांगों को मान लिया है। 3 मांगों पर समिति गठित की गई है और शेष 3 मांगों पर उच्च स्तरीय चर्चा चल रही है। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रदेश के अस्पतालों में काम करने वाले डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, डाटा एंट्री ऑपरेटर, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट सहित अन्य कर्मचारी 18 अगस्त से 10 सूत्रीय मांगों को लेकर थे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर थे।

आगरा जनकपुरी महोत्सव में पर्यटन मंत्री ने माता सीता और प्रभु राम की उतारी आरती

एजेंसी

आगराः आगरा के ऐतिहासिक जनकपुरी महोत्सव में नगर भ्रमण के बाद प्रभु श्रीराम, माता सीता और अपने भ्राताओं के साथ मिथिला भवन में मिथिला महल के मंच पर पधारे। मुख्य अतिथि पर्यटन मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह ने गगनभेदी जयकारों और पुष्प वर्षा के बीच प्रभु श्रीराम, उनके अनुज भ्राताओं और माता जानकी की आरती उतारी। हजारों श्रद्धालुओं द्वारा जय श्री राम के जय घोष के साथ अपने आराध्य के दर्शन किए।प्रभु राम ने भी मंच से मंद मुस्कान के साथ अपना आशीर्वाद दिया।इस दौरान सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों की मंचीय प्रस्तुति देर रात तक चलती रही। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने इस मौके पर अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सनातन को शिखर पर पहुंचाने के साथ भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने की राह पर हैं, यह तभी होगा जब हम राम राज्य की सही परिकल्पना को मिलकर साकार करेंगे। भगवान राम एक व्यक्ति नहीं, व्यक्तित्व हैं। वह सनातन धर्म, सनातन संस्कृति और आदर्श जीवन का प्रतीक हैं। अगर हम अपने जीवन को उच्चतम आदर्शों पर पहुंचाना चाहते हैं तो हमें भगवान राम की तरह आदर्श जीवन जीना सीखना होगा श्री जनकपुरी महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष मुरारी प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि आज दशरथ जी द्वारा बढ़हार की दावत दी गई जिसमें नगर वासियों को बढ़ चढ़कर भाग लिया है। जनकपुरी के कार्यक्रम शनिवार को भी जारी रहेंगे।

सिंधिया परिवार की 40,000 करोड़ की संपत्ति के विवाद में हाईकोर्ट ने दिया राजीनामा का आदेश

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के ग्वालियर में सिंधिया राजघराने से जुड़े 40 हजार करोड़ के संपत्ति विवाद में आखिरकार समाधान की उम्मीद जागी है। न्यायालय में लगभग 15 साल से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनकी तीन बुआओं (वसुंधरा राजे, यशोधरा राजे और ऊषा राजे) के बीच विवाद चल रहा है। मप्र उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ ने शुक्रवार को आपसी सहमति से विवाद सुलझाने का आदेश दिया है। उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने ज्योतिरादित्य और उनकी तीनों बुआओं को आगामी 60 दिन में राजीनामे का आवेदन कोर्ट में पेश करने के लिए कहा है। वहीं 90 दिन के भीतर संपत्ति के विवाद को सुलझाने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद कंप्लाइंस रिपोर्ट कोर्ट

में पेश करना होगी। इस मामले पर पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता चैन सिंह ने बताया कि न्यायालय द्वारा पक्षकारों को निर्देश दिए गए हैं कि वह आपसी सूझबूझ के साथ इस मामले को 90 दिन के भीतर समेट लें और मामले को अपने अनुसार देखें। अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो कोर्ट ने यह भी स्पष्ट रूप से कहा है कि उक्त याचिका को फिर से बहाल कर दिया जाएगा।

ये है मामला

सिंधिया परिवार का यह विवाद महाराज जीवाजीराव सिंधिया की 1961 में हुई मृत्यु के बाद से शुरू हुआ था। उन्होंने कोई वसीयत नहीं छोड़ी थी, जिसके कारण संपत्ति का स्पष्ट बंटवारा नहीं हो सका। उसके बाद माधव राव सिंधिया का भी असमय निधन हो गया। इसके बाद सिंधिया राजघराने की संपत्ति को लेकर कानूनी विवाद वर्ष 2010 में शुरू हुआ। राजमाता विजयाराजे सिंधिया की बेटियों वसुंधरा राजे, यशोधरा राजे और ऊषा राजे ने अपने भतीजे ज्योतिरादित्य सिंधिया के खिलाफ अदालत में दावा पेश किया। उनकी दलील थी कि पैतृक संपत्ति में बेटियों का भी बराबरी का अधिकार है। दूसरी ओर ज्योतिरादित्य ने भी इस संपत्ति पर अपना अधिकार जताया। मामला पहले जिला अदालत में चला, लेकिन लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद वर्ष 2017 में यह ग्वालियर हाईकोर्ट पहुंचा। यहां इसे सिविल रिवीजन के रूप में दर्ज किया गया। संपत्ति विवाद के दावे में कुल 28 पक्षकार बनाए गए हैं। इनमें सिंधिया परिवार के 13 ट्रस्ट शामिल हैं, क्योंकि इन ट्रस्टों के नाम करोड़ों की संपत्तियां दर्ज हैं। इनमें सिंधिया पार्टीज एंड सर्विसेज, कृष्णाराम और बलदेव इन्वेस्टमेंट कंपनी और जयविलास ट्रस्ट प्रमुख हैं। इनके अलावा ज्योतिरादित्य सिंधिया, माधवी राजे सिंधिया, प्रियदर्शनी राजे सिंधिया और चित्रांग्दा राजे को भी पक्षकार बनाया है।

40 हजार की संपत्ति में यह शामिल

सिंधिया परिवार का 12.40 लाख वर्गफीट में बना जयविलास पैलेस है, जिसकी कीमत लगभग 10 हजार करोड़ रुपये है। आजादी के समय के सिंधिया परिवार के 100 से अधिक कंपनियों के शेयर थे। शिवपुरी में माधव विलास पैलेस, हैप्पी विलास और जार्ज कैसल कोठी जैसी संपत्तियां हैं। उज्जैन में कालियादेह पैलेस। दिल्ली में ग्वालियर हाउस, राजपुर रोड पर एक प्लाट और सिंधिया विला। पुणे में पद्म विलास पैलेस, वाराणसी में सिंधिया घाट और गोवा में विठोबा मंदिर सहित अन्य संपत्तियां भी हैं जिनका बंटवारा होना है।

चीनी मांझा के खिलाफ अभियान, घोला थाना क्षेत्र से दो गिरफ्तार

उत्तर 24 परगना : विश्वकर्मा पूजा के दिन पतंगबाजी के द्वारा पूर्व सैनिक की जान चीनी मांझे से चली गई थी । इसी कारण पुलिस के द्वारा तत्परता से चीनी मांझा के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत उत्तर 24 परगना के घोला थाना क्षेत्र में पुलिस ने चीनी सिंथेटिक मांझे के दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की। दोनों मामलों में बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित चीनी मांझा जब्त किया गया है। बैरकपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से शनिवार को जारी एक बयान में बताया गया है कि पहला मामला घोला थाना केस संख्या 317/25, के तहत पुलिस ने सुजीत बर(32 वर्षीय) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से विभिन्न रंगों के कुल 110 पीस चीनी मांझा थ्रेड रील (प्रत्येक लगभग 1200 गज), 10 पीस चीनी मांझा थ्रेड रील (प्रत्येक लगभग 2400 गज), तीन पीस चीनी मांझा थ्रेड रील (प्रत्येक लगभग छह हजार गज), सात लटाई (प्रत्येक लगभग दो हजार गज मांझा लिपटा हुआ) बरामद किया है।

न्यूज IN ब्रीफ

दुगार्पूजा से पहले बंद हुआ डुआर्स का कोहिनूर चाय बागान, संकट में 900 श्रमिक

अलीपुरद्वार : दुगार्पूजा के ठीक पहले डुआर्स का कोहिनूर चाय बागान बंद हो गया है। बोनस को लेकर श्रमिकों और प्रबंधन के बीच विवाद के कारण शुक्रवार देर रात मालिक पक्ष ने बागान छोड़ने का नोटिस जारी कर दिया। इसके बाद शनिवार सुबह से बागान में कामकाज ठप हो गया। अचानक हुए इस फैसले से लगभग 900 चाय श्रमिक रोजगारविहीन हो गए हैं। मालिक पक्ष ने जिला प्रशासन और विभिन्न श्रमिक यूनियनों को चिट्ठी लिखकर सूचित किया है कि वे बागान से हट रहे हैं। प्रबंधन ने कहा था कि वे 8.33 प्रतिशत की दर से दुगार्पूजा बोनस देने को तैयार हैं, लेकिन श्रमिकों ने इसे अस्वीकार कर 20 प्रतिशत बोनस की मांग की है। गुरुवार को विरोध स्वरूप श्रमिकों ने करीब चार घंटे तक कामकाज ठप रखा और अवरोध किया। इसके तुरंत बाद प्रबंधन ने नोटिस जारी कर बागान बंद करने की घोषणा कर दी। लगातार एक के बाद एक चाय बागान बंद होने से इलाके में असंतोष बढ़ रहा है। भाजपा सांसद मनोज टिग्गा ने चेतावनी दी है कि ह्लअगर दो दिनों के भीतर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उत्तर बंगाल में व्यापक आंदोलन किया जाएगा।ह्व वहीं तृणमूल कांग्रेस के नेता जयप्रकाश टोप्पो ने कहा, ह्लबोनस विवाद में हमने श्रम विभाग से हस्तक्षेप करने को कहा है। कई मालिक पक्ष 20 प्रतिशत बोनस देने से इंकार कर रहे हैं, लेकिन हमें उम्मीद है कि स्थिति जल्द सुधरेगी।

घर में आग से जिंदा जला अध्यापक

जींद : जींद के एक मकान में आग लगने से अंदर सो रहे सरकारी टीचर की जिंदा जलने से मौत हो गई। फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया जा सका। घटना में टीचर का शव जलने के कारण बुरी तरह से क्षत-विक्षत हो गया है। घटना शनिवार सुबह साढ़े पांच बजे की है। जानकारी के अनुसार मूल रूप से जुलाना के जैजैवंती गांव का 50 वर्षीय राजकुमार सरकारी अध्यापक लगा हुआ था। वर्तमान में वह जींद शहर के साथ लगते अमरेहड़ी गांव में मकान लेकर सात-आठ साल से यहीं पर रह रहा था। राजकुमार खेड़ा खेमावती गांव के सरकारी स्कूल में अध्यापक तौर पर तैनात था। बताया जा रहा है कि शुक्रवार रात को राजकुमार अपने कमरे में सो रहा था। अलसुबह मकान में अज्ञात कारणों से आग लग गई। पूरे कमरे में आग फैलने के कारण राजकुमार इसमें झुलस गया और जलने के कारण राजकुमार की मौत हो गई। आसपास के लोगों को मकान में आग लगी देखी तो फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया लेकिन तब तक राजकुमार की जलने से मौत हो चुकी थी। राजकुमार की पत्नी भिवानी में नर्स है और वहां ड्यूटी के चलते वह सप्ताह-10 दिन में राजकुमार के पास आती थी। राजकुमार को एक बेटा भी है, जो बाहर रहता है। राजकुमार आठवीं से 12वीं तक के स्कूल में पढ़ाता था।

जयपुर सेंट्रल जेल से भागे दो कैदी

जयपुर : लाल कोठी थाना इलाके में स्थित जयपुर सेंट्रल जेल से शनिवार तड़के सुबह करीब साढे तीन बजे चोरी के आरोप में बंद दो कैदी अनस और नवलकिशोर फरार हो गए। दोनों कैदियों ने पानी के पाइप के जरिए 27 फीट ऊँची दीवार से कूद कर फिल्मी अंदाज में जेल से बाहर निकलने की योजना को अंजाम दिया। दोनों कैदियों के भागने की घटना सामने आते ही जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। कैदियों की तलाश में जयपुर पुलिस की कई टीमें लगाई गई हैं। इसके अलावा जयपुर शहर में नाकाबंदी की गई है। साथ ही साथ ही दोनों कैदियों के घर और संभावित ठिकानों पर द दबिश दी जा रही है। एसीपी नारायण कुमार ने बताया कि दोनों कैदी चोरी के मामले में जेल में सजा काट रहे थे। आशंका जताई जा रही है कि फरार दोनों कैदी काफी समय से यह साजिश रच रहे थे और मौका पाकर शनिवार तड़के फरार हो गए। जेल से फरार होने का यह मामला गंभीर सुरक्षा चूक माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस शहर और आसपास के इलाकों में सघन तलाशी अभियान चला रही है और दोनों कैदियों की तलाश तेज कर दी गई है।

गडबड़ा शीतला धाम : भक्त कीचड़ से परेशान, व्यवस्था पर उठे सवाल

मीरजापुर : हलिया क्षेत्र स्थित गडबड़ा शीतला धाम में 22 सितम्बर से लगने वाले नवरात्र मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। हर साल की तरह इस बार भी लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मगर मंदिर तक पहुंचने वाले एक प्रमुख मार्ग की दुर्दशा ने भक्तों की चिंता बढ़ा दी है। मंदिर तक पहुंचने के लिए दो रास्ते हैं, जिनमें शिव मंदिर के बगल से होकर जाने वाले करीब तीन सौ मीटर लंबे मार्ग पर जलनिकासी की व्यवस्था न होने के कारण बरसात से कीचड़ और जलभराव हो गया है। इस रास्ते से गुजरने वाले श्रद्धालुओं और दुकानदारों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन की ओर से समय रहते इस मार्ग पर मोरम या डस्ट डाल दी जाती तो भक्तों को राहत मिल सकती थी। ग्रामीणों और दुकानदारों ने जिलाधिकारी पवन कुमार गगवार से मार्ग को शीघ्र कीचड़ मुक्त कराने की मांग की है। इस संबंध में बीडीओ विजय शंकर त्रिपाठी ने बताया कि नवरात्र मेले को देखते हुए धाम क्षेत्र में व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का काम तेजी से कराया जा रहा है। संबंधित मार्ग पर भी वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी ताकि श्रद्धालुओं को असुविधा न हो।

विदा होता मानसून बरसा रहा कृपा, आज नौ जिलों में अलर्ट

जयपुर : प्रदेश के अधिकांश हिस्सों से मानसून विदा हो चुका है लेकिन कुछ जिलों में मानसून की कृपा अभी भी बरस रही है। उदयपुर, कोटा, भरतपुर और जयपुर संभाग के कई जिलों में शुक्रवार को तेज बरसात दर्ज हुई है। वहीं मौसम विभाग ने आज से दो दिन बांसवाड़ा, बारां, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, झालावाड़, कोटा, प्रतापगढ़, सलूंबर और उदयपुर जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी राजस्थान में मौसम शुष्क रहा। इधर राजस्थान के पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी जिलों में बरसात से मौसम में हल?की ठंडक घुलने लगी है। लेकिन पश्चिमी राजस्थान में पश्चिमी हवाओं से गर्मी धीरे-धीरे तेज हो रही है। शुक्रवार को चूरू में सबसे अधिकतम तापमान 39.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग के अनुसार पिछले चौबीस घंटे के दौरान बूंदी के नैंनवा में 86 मिलीमीटर, सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाड़ा में 50, भीलवाड़ा के बिजौलिया में 100, मांडलगढ़ में 52, टोंक शहर में 55, अजमेर के केकड़ी में 26, चित्तौड़गढ़ के बेंगू में 24, कोटा के डिगोद में 14, जयपुर के जेएलएन मार्ग पर 9, कोटखावदा में 5 मिलीमीटर बरसात दर्ज हुई।

सरकार, एनईपी का बहाना बनाकर छात्रसंघ चुनाव नहीं करा रही, लेकिन पहले फिर भी चुनाव कराए गए हैं

जयपुर : राजस्थान हाईकोर्ट के छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए जाने से जुड़े मामले में न्यायमित्र अभिनव शर्मा ने हाईकोर्ट में कहा कि जिस नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) को लागू करने का बहाना बनाकर राज्य सरकार छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने की बात कर रही हैं। यह एजुकेशन पॉलिसी 2020 में ही लागू हो गई थी। उसके बाद भी सरकार ने 2022-23 का छात्रसंघ चुनाव करवाया था। ऐसे में सरकार अब पॉलिसी को लागू करने का केवल बहाना बना रही हैं। उन्होने कहा कि हाईकोर्ट की लार्जर बैंच के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि छात्रसंघ चुनाव छात्रों का मौलिक अधिकार हैं। यूनिवर्सिटी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एके शर्मा ने कहा कि यह याचिका मेंटिनेबल नहीं है। जिस छात्र ने याचिका दायर की है, वह चुनाव लड़ने के मामले में ओवरएज हो चुका हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है लोक वनस्पति शास्त्र : डॉ कुनुल कंडीर

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका की कुलपति डॉ. कुनुल कंडीर ने अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में कहा कि ₹लोक वनस्पति शास्त्र या इथेनोबॉटनी भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है और इसका संरक्षण समय की मांग है।₹ कार्यक्रम के दौरान ए.एन. कॉलेज, दुमका के वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष, डॉ. अमर नाथ सिंह ने कुलपति को पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। डॉ. सिंह ने अपनी हाल ही में प्रकाशित पुस्तक ₹इथेनोबॉटनी : प्रेजेंट सीनारियो एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स₹ की प्रति कुलपति को भेंट की तथा अपनी आगामी पुस्तक ₹इथेनोबॉटनी : ए डीपर इन्साइट₹ का आवरण पृष्ठ लोकार्पण हेतु प्रस्तुत किया। उन्होंने अब तक प्रकाशित अपने सौ से अधिक पर्यावरण व जैव विविधता संरक्षण संबंधी आलेखों का संकलन तथा कॉलेज में आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों से संबंधित समाचारों का संग्रह भी कुलपति को सौंपा।

कुलपति ने इन उपलब्धियों पर महाविद्यालय परिवार को बधाई दी, डॉ. सिंह को ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया और पुस्तक प्रकाशन की सराहना की। उल्लेखनीय है कि डॉ. कंडीर स्वयं इथेनोबॉटनी विषय की अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विदुषी हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलनियंत्रक एवं कुलपति के विशेष कार्य पदाधिकारी राजीव कुमार, इको क्लब के वालंटियर्स और झारखंड बायोडाइवर्सिटी बोर्ड के बायोडाइवर्सिटी कंजर्वेशन इंटर्नशिप प्रोग्राम के इंटर्न बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

यूजी सेमेस्टर-3 समेत तीन परीक्षाओं का फॉर्म भरने की तिथि घोषित

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका ने शुक्रवार को तीन परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन परीक्षा प्रपत्र भरने संबंधी अधिसूचना जारी कर दिया। विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, जिन परीक्षाओं के लिए यह प्रपत्र भरे जाएंगे, उनमें यूजी सेमेस्टर-3 (एनईपी) सत्र 2023-27, एम.लिस. सेमेस्टर-2 सत्र 2024-25 तथा बी.लिस. सेमेस्टर-2 सत्र 2024-25 की परीक्षाएं शामिल हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, परीक्षा फॉर्म 24 सितंबर से 4 अक्टूबर तक बिना विलंब शुल्क के भरे जा सकेंगे। जबकि 5 से 8 अक्टूबर तक 200 रुपये विलंब शुल्क और 9 से 12 अक्टूबर तक 500 रुपये विलंब शुल्क के साथ ऑनलाइन फॉर्म भरे जा सकते हैं। इसके बाद छात्रों को 13 से 15 अक्टूबर के बीच अपने ऑनलाइन भरे गए फॉर्म की हार्ड कॉपी संबंधित कॉलेज में जमा करनी होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा फॉर्म भरने की यह प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी। इस संबंध में कुलपति प्रो. कुनुल कंदिर के निर्देश पर शुक्रवार को तीन अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी की गई हैं।

जिला परिषद की बैठक में योजनाओं की प्रगति और अनुपालन पर हुई चर्चा

खूंटी : जिला परिषद सभागार में जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पूर्व की कार्यवाही के अनुपालन तथा विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में हुई प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत की। एनडीसी, खूंटी ने बताया कि नव नियुक्त दो शिक्षकों के अनुमोदन का कार्य पूरा कर लिया गया है जबकि अन्य मामलों की जाँच जारी है। कल्याण विभाग द्वारा जिले के छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण पूर्ण करने की सूचना दी गई।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने कर्रा, अड़की और रनिया प्रखंडों के अंतर्गत कई पंचायतों एवं स्कूलों में नए चापाकल स्थापित करने तथा पुराने चापाकलों की मरम्मत कर उन्हें चाल में लाने की जानकारी दी। विद्युत विभाग ने कर्रा प्रखंड कार्यालय के सामने स्थित घरों में बिजली आपूर्ति का कार्य अक्टूबर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य बताया। साथ ही, अड़की प्रखंड के बोहांडा से कोचांग कैंप तक की विद्युत समस्या को शीघ्र हल किए जाने का आश्वासन दिया। जिला खनन विभाग ने सूचित किया कि बालू घाटों के लिए नई प्रक्रिया के तहत टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और 15 अक्टूबर 2025 के बाद जिले में बालू आपूर्ति की समस्या समाप्त होने की उम्मीद है। इसके अलावा, सहकारिता, समाज कल्याण, प्रधानमंत्री आवास, पशुपालन और भूमि संरक्षण सहित अन्य विभागों ने भी अपने अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किए और चल रही योजनाओं पर चर्चा हुई। जिला परिषद अध्यक्ष श्री गुड़िया ने सभी विभागों की प्रगति की समीक्षा की तथा कार्यों और योजनाओं के त्वरित और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश एवं सुझाव दिए। इस बैठक में उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, जिला परिषद उपाध्यक्ष मंजू देवी, डीपीआरओ खूंटी, सांसद एवं विधायक के प्रतिनिधि, जिला परिषद सदस्य, प्रखंड प्रमुख, उप प्रमुख, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी तथा संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सुदूरवर्ती गांवों में मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस ने चलाया जागरुकता अभियान

चतरा : पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल के निदेर्शानुसार शुक्रवार को हंटरगंज थाना क्षेत्र के चकला, बेला, डाटम आदि विभिन्न सुदूरवर्ती गांवों में पुलिस के द्वारा मादक पदार्थों के खिलाफ नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर एसआई भोला शाह ने आम लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए सीधा संवाद स्थापित किया। एसआई श्री शाह ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि शराब, तंबाकू व अन्य मादक पदार्थों से दूर रहना ही बेहतर जीवन की कुंजी है।नशा न केवल शरीर को बर्बाद करता है, बल्कि मानसिक स्थिति को भी बिगाड़ देता है। यह परिवार में तनाव, धन की बबार्दी और सामाजिक विघटन का कारण बनता है।उन्होंने कहा कि नशा करने वाला व्यक्ति समाज और परिवार दोनों के लिए बोझ बन जाता है।हमें खुद भी इससे बचना चाहिए और दूसरों को भी इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करना चाहिए।आगे उन्होंने कहा कि नशा समाज के लिए एक गंभीर खतरा है।कई परिवार नशे की वजह से उजड़ चुके हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से मैं नशा नहीं करूंगा और दूसरों को भी नशा करने से रोकूंगा का संकल्प दिलवाया। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे और पुलिस की इस पहल की सराहना की।

देसी कट्टा और गोली के साथ एक गिरफ्तार

चतरा : चतरा एसपी सुमित कुमार अग्रवाल को मिली गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार को चतरा पुलिस ने सदर थाना क्षेत्र के बुच्चीडाढ़ी गांव से सुरेन्द्र कुमार नाम के एक अपराधी को एक देशी कट्टा और एक गोली के साथ गिरफ्तार किया।अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में चतरा एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक अपराधी ने अपने घर में अवैध देशी कट्टा एवं गोली रखा हुआ है। सूचना का सत्यापन किया गया एवं त्वरित कार्रवाई करने के लिए चतरा के एसडीपीओ संदीप सुमन के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया।

प्रेम प्रसंग में हुए विवाद में घायल प्रेमी की मौत

प्रेमिका को न्यायायिक हिरासत में भेजा गया

संवाददाता

चतरा : जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र के लमटा गांव के पास गुरुवार की देर शाम प्रेम प्रसंग मामले में गंभीर रूप घायल युवक मोहम्मद मुन्तजिर अंसारी की मौत हो गई है। घायल युवक की पहचान लातेहार जिला के सासंग गांव निवासी जहीर मियां के पुत्र के रूप में हुई है। जबकि आरोपी युवती की पहचान चतरा शहर के नगवां मोहल्ला निवासी मो. अणु मिस्त्री की पुत्री शब्बू प्रवीण उर्फ नूरजहां के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी युवती को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताते चलें कि गुरुवार की देर शाम शहर के नगवां मुहल्ले की युवती ने प्रेम प्रसंग में लातेहार के सासंग गांव के तीन बच्चों के पिता को चाकू से गोद डाला था। जानकारी के मुताबिक शादीशुदा और चार बच्चों के पिता मुन्तजिर का प्रेम प्रसंग नगवां के सब्बू परवीन के साथ चल रहा था। गुरुवार को युवक युवती से मिलने के लिए चतरा आया हुआ था। युवती को दांत में दर्द था,तो वह युवक की बाइक से डाक्टर से दिखाने सिमरिया गए थे। चतरा लौटने के क्रम में लावालौंग के लमटा में दोनों के बीच विवाह की बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद युवती ने अपने साथ लाए चाकू से युवक के पेट में प्रहार कर

दिया। प्रहार इतना जबरदस्त था कि युवक की आंत भी बाहर आ गई। युवती ने युवक के गले पर भी चाकू से वार किया है। घटना की सूचना पाकर लावालौंग पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को गंभीर हालत में इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा। सदर अस्पताल चतरा में प्राथमिक उपचार के बाद युवक को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया। हालांकि रिम्स पहुंचने के पूर्व रास्ते में ही देर रात युवक की मौत हो गई। इस बाबत लावालौंग थाना प्रभारी प्रशांत मिश्रा ने शुक्रवार को मृत्यु की पुष्टी करते हुए बताया कि घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया गया है और फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि युवक द्वारा मृत्यु पूर्व दिए गए बयान के आधार पर लावालौंग कांड संख्या 69/25 दिनांक 18.9.25 धारा 126(2)/131/115(2)117 (2)/118(2)/109(1) बीएनएस दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आज युवती को न्यायायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

युवती को ब्लैकमेलिंग करना युवक को पड़ा महंगा : पुलिस ने बताया कि युवती की शादी कहीं और तय हुई थी। दुर्गा पूजा के बाद 19 को उसका निकाह था। परंतु युवक को युवती के निकाह से आपत्ति थी। युवक के पास कई आपत्तिजनक फोटो थे,जिससे वह युवती को ब्लैकमेल कर रहा। ब्लैकमेलिंग से तंग आकर अंततः युवती ने घटना को अंजाम दिया।

परीक्षा बोर्ड की आयोजित बैठक संपन्न

संवाददाता

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका में शुक्रवार को पीएचडी प्रवेश परीक्षा आयोजन को लेकर परीक्षा बोर्ड की एक आकस्मिक बैठक कुलपति प्रो. कुनुल कंदिर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा बोर्ड के सभी सदस्य तथा विश्वविद्यालय के पदाधिकारी आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित थे। बैठक की शुरूआत नवनियुक्त परीक्षा नियंत्रक डॉ. रीना नीलिमा लकड़ा के स्वागत एवं अभिनंदन से हुई। विश्वविद्यालय को कुछ छात्रों की ओर से चल रहे नामांकन प्रक्रिया में पीएचडी प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का अनुरोध प्राप्त हुआ था। इसी पर निर्णय लेने हेतु यह बैठक आहूत की गई थी।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कुलाधिपति सह राज्यपाल के निदेर्शानुसार विश्वविद्यालय में पीएचडी नामंकन हेतु प्रवेश परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में राजभवन सचिवालय ने झारखंड के विश्वविद्यालयों में पीएचडी प्रवेश परीक्षा नहीं कराने का निर्देश जारी किया था। इसी आलोक में विश्वविद्यालय ने अगस्त में नेट, जेआरएफ एवं जेट पास अभ्यर्थियों के लिए 386 सीटों पर नामांकन हेतु अधिसूचना जारी की थी। गुरुवार दोपहर तक लगभग 350 आवेदन प्राप्त हो चुके थे और अनुमान है कि यह संख्या 500 तक पहुँच सकती है। ओएसडी (पीएचडी) डॉ. इन्द्रजीत कुमार ने बैठक में बताया कि अब तक संथाल परगना के छह जिलों से विभिन्न विषयों में लगभग 170 छात्र आवेदन कर चुके हैं। इस बार जेआरएफ पास छात्रों की संख्या भी उल्लेखनीय है।

कुलपति प्रो. कंदिर ने कहा कि विवि के जिन छात्रों का चयन नेट-जेआरएफ में फेलोशिप के लिए हुआ है अथवा जिन्होंने पीएचडी नामांकन श्रेणी से नेट उत्तीर्ण किया है, यदि वे समय पर पंजीकरण नहीं कराते हैं तो उनकी फेलोशिप निरस्त हो जाएगी। चूँकि लंबे समय से विश्वविद्यालय में पीएचडी नामांकन नहीं हुआ है, इसलिए नामांकन प्रक्रिया पूर्ववत जारी रखी जाएगी। बैठक में वित्त परामर्शक ब्रिज्नंदन ठाकुर, डीएसडब्ल्यू डॉ. जयनेंद्र यादव, प्रॉक्टर डॉ. राजीव कुमार, रजिस्ट्रार डॉ. राजीव रंजन शर्मा, वित्त पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सिन्हा, सिसिडीसी डॉ. अब्दुस सत्तार, डीन सामाजिक विज्ञान एवं कॉमर्स डॉ. टी.पी. सिंह, डीन मानविकी डॉ. पी.पी. सिंह, डीन साइंस डॉ. संजय कुमार सिंह, को-ऑर्डिनेटर बीएड-एमएड व ओएसडी आकादमिक अमिता कुमारी, परीक्षा ओएसडी डॉ. इन्द्रनील मंडल, ओएसडी (पीएचडी) डॉ. इन्द्रजीत कुमार तथा दीपक कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने 'खेलो झारखंड' प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला, कहा

जीवन का अभिन्न हिस्सा है खेल

संवाददाता

खूंटी : बिरसा कॉलेज के खेल मैदान में आयोजित पांच दिवसीय जिला स्तरीय 'खेलो झारखंड' प्रतियोगिता के दूसरे दिन उपायुक्त आर. रॉनिटा ने खिलाड़ियों से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त श्रीमती रॉनिटा, जिला शिक्षा पदाधिकारी अपरुपा चौधरी और जिला शिक्षा अधीक्षक अभय कुमार शील ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद, उपायुक्त ने हॉकी स्टिक से गेंद को खेलकर प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया।

इस मौके पर विभिन्न स्कूलों से आए युवा खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त श्रीमती रॉनिटा ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा, खेल न केवल हमारा शारीरिक एवं मानसिक विकास करता है, बल्कि आत्मअनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करता है। उन्होंने खिलाड़ियों से लगन और मेहनत से अभ्यास जारी रखने की अपील करते हुए कहा कि इससे वे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखा सकेंगे। प्रतियोगिता के दूसरे दिन खो-खो, हॉकी और फुटबॉल के मैच आयोजित किए गए, जिनमें अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग के सभी प्रखंडों के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उपायुक्त ने बच्चों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने के लिए जरूरी टिप्स भी दिए और आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करेगा, ताकि खूंटी के खिलाड़ी राज्य और देश का नाम रोशन कर सकें।

जिला शिक्षा पदाधिकारी अपरुपा चौधरी ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खेल शिक्षा के समान ही आवश्यक है। उन्होंने बच्चों को खेल को जीवन का हिस्सा बनाने और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

वहीं, जिला शिक्षा अधीक्षक अभय कुमार शील ने कहा कि खेल हमें हार और जीत दोनों को समान रूप से स्वीकार करना सिखाता है। उन्होंने कहा कि खूंटी जिले के छात्र-छात्राओं में अपार प्रतिभा है, जिसे उचित मंच और मेहनत से उच्च स्तर तक पहुँचाया जा सकता है।

अंत में, उपायुक्त ने सभी खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से हाथ मिलाकर उनका हौसला अफजाई किया और प्रतियोगिता में उनके शानदार प्रदर्शन की कामना की।

देवघर से एक साइबर अपराधी गिरफ्तार सात लाख की निकासी का आरोप

चतराः जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के टंडवा गांव के अशोक प्रजापति के बैंक खाता से साईबर अपराधियों द्वारा 7 लाख 1 हजार रु की अवैध निकासी मामले का चतरा पुलिस ने उद्भेदन करते हुए देवघर जिले के खागा गांव से साईबर अपराधी मुन्ना मंडल को गिरफ्तार कर लिया। एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने आज आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि प्रतापपुर थाना क्षेत्र के टंडवा गांव के अशोक कुमार प्रजापति के बैंक खाता से साईबर अपराधियों ने सात लाख एक हजार रु की अवैध निकासी कर ली थी। इस संबंध में थाना कांड संख्या 69/25 दिनांक 9/7/25 धारा 308(4)/ बीएनएस एंड 66(सी)/66(डी) आईटी एक्ट दर्ज किया गया था। एसपी ने बताया कि कांड के उद्भेदन के लिए चतरा एसडीपीओ संदीप सुमन के नेतृत्व में एसआईटी टीम का गठन किया गया। एसआईटी टीम ने तकनीकी शाखा के सहयोग से कांड का उद्भेदन करते हुए देवघर जिले से साईबर अपराधी मुन्ना मंडल को गिरफ्तार कर लिया।

एक दिवसीय रोजगार मेला आज

2300 से अधिक रिक्तियों के साथ 21 कंपनियां होगी शामिल

चतराः बेरोजगार युवक-युवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला नियोजनालय की ओर से द्वितीय चरण का दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। मेला आज चतरा कॉलेज के समीप हैलीपैड ग्राउंड में होगा। उक्त आशय की जानकारी जिला नियोजन पदाधिकारी मनु कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि नियोजनालय में निबंधित बेरोजगार युवक-युवतियों को मेला की जानकारी एसएमएस के तहत दी गयी हैं। उन्होंने बेरोजगार युवक-युवतियों को मेला में आकर लाभ उठाने की अपील की हैं। रोजगार मेला का आयोजन सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक रहेगा।इस रोजगार मेले में 2300 से अधिक रिक्त पदों पर नियुक्ति लेकर 21 कंपनियां शिरकत कर रही है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद चतरा नगर इकाई का पुनर्गठन

नगर अध्यक्ष बने प्रो. डीएन राम,नगर मंत्री अनुराग आर्य

संवाददाता

चतरा : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की चतरा नगर इकाई का गठन परिषद कार्यालय गोरक्षणी में शुक्रवार को किया गया। इस अवसर पर कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। नई इकाई की घोषणा जिला संयोजक रौनक सिंह ने की और पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी।कार्यक्रम में हजारीबाग विभाग संगठन मंत्री विक्रम राठौड़, प्रदेश सह मंत्री रोहित पांडे, पूर्व प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक शुभम कुमार, खेलो भारत के प्रांत सह प्रमुख मुन्ना यदुवंशी, विभाग संयोजक उज्वल कुमार साहू, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विशाल प्रजापति एवं रणविजय सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। चयनित पदाधिकारियों में

नगर अध्यक्ष प्रो. डीएन. राम

नगर मंत्री- अनुराग कुमार आर्य,नगर सह मंत्री- राकेश यादव, निशु रानी, आशुतोष झा, सत्यम साहू,नगर एसएफडी झ शुभम यादव (सह ऋषिकेश कुमार),नगर एसएफएस सनोज यादव (सह अनिमेष रस्तोगी),नगर खेलो भारत योगी स्टार,नगर मीडिया अभिषेक राणा,नगर सोशल मीडिया सोनू कुमार,कार्यालय मंत्री विवेक कुमार (सह विक्रम कुमार),नगर कला मंच निहारिका कुमारी (सह अनुराग),नगर कार्यकारिणी सदस्य झ प्रगति कुमारी, नेहा कुमारी, विपिन यादव, विक्की सह

जिला स्तर पर जिम्मेदारी

जिला एसएफडी सनी कुमार (सह करण राज),जिला एसएफएस संयोजक साहिल संगा (सह अर्णव श्रीवास्तव)

जिला खेलो भारत संयोजक

आशीष कुमार (सह खुशबू मुंडा),जिला मीडिया प्रभारी सत्यम साह,सोशल मीडिया प्रभारी अभय राज,राष्ट्रीय कला मंच सुमित्रा पांडे,जनजातीय प्रमुख सिकन्दर भोक्ता। मौके पर विभाग संगठन मंत्री विक्रम राठौड़ ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद छात्रहित व राष्ट्रहित के लिए निरंतर कार्य करती रही है। नगर इकाई के गठन से संगठन की गतिविधियों को नई गति और मजबूती मिलेगी। प्रदेश सह मंत्री रोहित पांडे ने अपने वक्तव्य में कहा कि परिषद सिर्फ छात्र संगठन नहीं बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का मंच है। संगठन युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित कर उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ता है।खेलो भारत के प्रांत सह प्रमुख मुन्ना यदुवंशी ने कहा कि आज का युवा समाज व राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है। परिषद छात्रों में अनुशासन, संगठन शक्ति और सेवा भावना विकसित कर उन्हें समाज के लिए प्रेरित करती है। चतरा नगर इकाई का गठन संगठन को नई दिशा देगा। अंत में पूर्व नगर मंत्री सह प्रदेश कार्यकारणी सदस्य विशाल प्रजापति ने सभी नवचयनित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि नगर इकाई संगठन की रीढ़ होती है। हमें विश्वास है कि यह नई इकाई छात्रहित व सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पित होकर कार्य करेगी। मौके पर कॉलेज मंत्री संदीप यादव,कुमकुम सिंह,तनु कुमारी समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।